केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 45 शुक्रवार 6 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन की सफलता पर जताया आभार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बस्ती आगमन पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन व संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने सभी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होने कहा वर्षों बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एकजुटता दिखाते हुये इस कार्यक्रम को सफल बनाकर जनता को एक अच्छा संदेश दिया है। जिलाध्यक्ष ने फ्रण्टल संगठनों के प्रति भी आभार जताया है। उन्होने कहा दो साल पहले कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की भारी कमी थी लेकिन राहुल गांधी की मेहनत और पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग पार्टी में शामिल हो रहे हैं। आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में एक नये समीकरण का उदय होगा और कांग्रेस के कार्यकर्ता चुनाव जीतकर विधानसभा पहुचेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कार्यक्रम के दौरान अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह का एसी खराब होना एक साजिश बताया और इसकी निंदा की।

ट्रक, कार, बाइक भिडन्त में 2 घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के महादेवा पुलिस चौकी के सामने अनियंत्रित ट्रक कार व बाइक दोनों को ठोकर मारी जिससे दोनों क्षतिग्रस्त हो गई। ट्रक चालक मौके से चार सौ मीटर दूर लालगंज–मुंडेरवा रोड पर पेट्रोल पंप पर ट्रक खड़ा करके ड्राइवर वहां से भाग निकला।

बररोहियां के विनय तिवारी पुत्र उदय शंकर तिवारी अपने पुत्र विनम तिवारी को लेकर अपने घर से लखनऊ जा रहे थे जैसे ही महादेवा पुलिस चौकी के सामने पहुंचे कि लालगंज की तरफ से तेज रफ्तार ट्रक से कार मे ठोकर मार दिया। मौके से भागते समय ट्रक चालक ने दो पहिया बाइक को भी अपने चपेट में ले लिया। जिस पर सवार मुमताज अली उम्र 45 वर्ष निवासी अतरौला जिला गोंडा अपने बेटे मोकबूलहक को बाइक पर बैठा कर महुली जा रहा था। इन दोनों को मामूली चोटे हैं।

डीएम ने किया गौशाला का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने ब्लाक कुदरहॉ के ग्राम शिवपुर गोशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होने पाया कि परिसर में दो शेड, एक भूंसा शेड एवं पक्की बाउंडरी है। वर्तमान में 64 पशु संरक्षित किये गए हैं। पशुओं का सामान्य स्वास्थ्य ठीक था। पशु चिकित्साधिकारी का नियमित भ्रमण होता है।

उन्होने देखा कि दो में से एक शेड प्रयोग में नहीं था, जिससे दूसरे शेड में संख्या अधिक थी। पहला शेड जीर्ण शीर्ण भी था। जिलाधिकारी के पूछने पर अवगत कराया गया कि स्थल का आधा भाग नीचा होने के कारण कुवानो नदी के बढ़ने पर वहाँ जलप्लावन हो जाता है। उसी से मिट्टी धंसाव के कारण ही शेड में क्षति हुई है। बाढ़ सीजन के बाद मिट्टी पटाई कर के शेड की मरम्मत की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान गोशाला में दो गोसेवक उपस्थित रहें। उन्होने उनसे मानदेय के विषय मे पूछा गया तो पाया कि मई तक का मानदेय प्राप्त हो गया है तथा तीन माह का मानदेय लम्बित है। इस संबंध में उन्होने सचिव को निर्देशित किया कि हाज़िरी परीक्षण कर के यथाशीघ्र शेष मानदेय निर्गत कर दिया जाए।

हक के लिये शिक्षा मित्र धरने पर

लखनऊ (आभा)। इको गार्डन में प्रदेश भर से आए शिक्षामित्रों ने नियमितिकरण की मांग को लेकर धरना दिया। शिक्षामित्रो का कहना है यह मेरी अंतिम लड़ाई है और सरकार हमारी मांगों को सुने।

प्रदेश के सम्पूर्ण शिक्षा मित्र इस रैली में अपनी चट्टानी एकता का परिचय देते हुए अपनी समस्या को सरकार तक पहुंचाने के लिये अपनी मांगों के समर्थन में लखनऊ में उपस्थित हुए। शिक्षा मित्रों ने प्रदेश सरकार से विनम्र निवेदन के साथ अनुरोध किया कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों से अपनी आजीविका चलाने में आ रही समस्या के निराकरण हेतु शिक्षा मित्र के मुख्यमंत्री से अनुरोध करने हेतु उपस्थित हुए हैं।

शिक्षक, शिक्षा मित्रों की समस्याओं का प्रभावी निराकरण कराये सरकार- महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिस देश और समाज में शिक्षक का सम्मान नहीं होता उसकी प्रगति रूक जाती है। शिक्षक दिवस पर यह विचार व्यक्त करते हुये कांग्रेस आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि यह हैरान करने वाली स्थिति है कि उत्तर प्रदेश में 69000 शिक्षक भर्ती के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी जहां आन्दोलित हैं वहीं शिक्षक दिवस के ही दिन प्रदेश के हजारों मित्र समायोजन की मांग को लेकर लखनऊ में अनिश्चित कालीन धरना देने को बाध्य है।

कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार दावा करती है कि विकास के नये कीर्तिमान विकसित हो गये किन्तु यह कड़वी सच्चाई है कि शिक्षा क्षेत्र में शिक्षक, शिक्षा मित्र परेशान हैं और उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। विडम्बना यह कि न्यायपालिका के आदेश तक का पालन नहीं हो पा रहा है। ऐसे में कैसे माना जाय कि प्रदेश विकास की ओर है। शिक्षा ही प्रगति की आधार है और शिक्षा मित्रों के साथ भाजपा की सरकार में जो कुछ हो रहा है वह चिन्ताजनक हैं। कहा कि कांग्रेस, सपा गठबंधन की सरकार बनने पर 2027 में सबसे पहले शिक्षा मित्रों की समस्याओं का समाधान कराना प्राथमिकता है। कांग्रेस नेता महेन्द्र ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार विकास नहीं विनाशकारी बुल्डोजर पर यकीन करती है। इस सरकार को गरीबों के घर पर बुल्डोजर चलवाने से खुशी मिलती है। उन्होने प्रदेश सरकार से मांग किया कि शिक्षक और शिक्षा मित्रों की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण कराया जाय। कांग्रेस नेतृत्व शिक्षक और शिक्षा मित्रों के साथ है।

सेन्ट्रल एकेडमी में केक काटकर मनाया गया शिक्षक दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सेन्ट्रल एकेडमी में शिक्षक दिवस का पर्व उत्साह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ केक काटकर मनाया गया। मुख्य अतिथि ऋषि तिवारी ने छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि गुरु–शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है। जीवन में माता–पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता, क्योंकि वे ही हमें इस रंगीन खूबसूरत दुनिया में लाते हैं। कहा जाता है कि जीवन के सबसे पहले गुरु हमारे माता–पिता होते हैं। भारत में प्राचीन समय से ही गुरु व शिक्षक परंपरा चली आ रही है, लेकिन जीने का असली सलीका हमें शिक्षक ही सिखाते हैं। सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

निदेशक जे.पी. तिवारी, निदेशिका सीमा तिवारी, सहायक निदेशक अनुज तिवारी ने कहा कि शिक्षक दिवस पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करने का दिन है जिन्होने अपना जन्म दिन गुरूजनों को समर्पित कर दिया। प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने कहा कि 'गुरु' का हर किसी के जीवन में बहुत महत्व होता है। समाज में भी उनका अपना एक विशिष्ट स्थान

–गुरु–शिष्य की परम्परा का अटूट अवसर है शिक्षक दिवस–ऋषि तिवारी

होता है। सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा में बहुत विश्वास रखते थे। वे एक महान दार्शनिक और शिक्षक थे। उन्हें अध्यापन से गहरा प्रेम था। एक आदर्श शिक्षक के सभी गुण उनमें विद्यमान थे।

इस अवसर पर छात्रों ने गुरूजनों के चरणों में श्रद्धा अर्पित कर उन्हें उपहार भेंट किया। निदेशक जे.पी. तिवारी ने गुरूजनों को विशेष उपहार देते हुये कहा कि इनके सहयोग और समर्पण के बिना विद्यालय चलाना असंभव है। कार्यक्रम में आबिद अरशद, शैलेन्द्र, द्विजेन्द्र, अजय दूबे, साक्षी, उन्नति, दया, गीताजंलि, श्वेता चौधरी आदि ने छात्रों को शिक्षक दिवस के महत्व की जानकारी दिया।छात्र–छात्राओं मानसी, रौनक, शिवाकान्त, सृष्टि, आदिश्री, खुशी, सचिन, हर्षित दूबे, फरहान, सर्वेश, शाश्वत, शिवांश राय, अभिज्ञान बाल्मीकि, हर्षित दूबे, अलका, आराध्या, कार्तिक दूबे आदि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया।

जयन्ती पर याद किये गये पेरियार ललई सिंह यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के संयोजन में प्रेस क्लब सभागार में पेरियार ललई सिंह यादव को जयन्ती पर याद किया गया। अध्यक्षता आनन्द कुमार गौतम और संचालन हृदय गौतम ने किया।

कार्यक्रम में आर.के. आरतियन, ठाकुर प्रेम नन्दबंशी, डा. विनोद कुमार, डा. विजय शंकर, रेनू बाला, चन्द्रिका प्रसाद, बुद्ध प्रिय पासवान, तिलकराम गौतम आदि ने सम्बोधित किया। कहा कि द्रविड़ आंदोलन के अग्रणी, सामाजिक क्रांतिकारी पेरियार ईवी रामासामी नायकर की किताब सच्ची रामायण को पहली बार हिंदी में लाने का श्रेय ललई सिंह यादव को जाता है। उनके द्वारा पेरियार की सच्ची रामायण का हिंदी में अनुवाद करते ही उत्तर भारत में तूफान उठ खड़ा हुआ था।

वक्ताओं ने कहा कि उन्हें पेरियार की उपाधि पेरियार की जन्मस्थली और कर्मस्थली तमिलनाडु में मिली. बाद में वे हिंदी पट्टी में उत्तर भारत के पेरियार के रूप में प्रसिद्ध हुए। बहुजनों के नायक पेरियार ललई सिंह का जन्म 1 सितम्बर 1921 को कानपुर के झींझक रेलवे स्टेशन के पास कठारा गांव में हुआ था। अन्य बहुजन नायकों की तरह उनका जीवन भी संघर्षों से भरा हुआ है। वह 1933 में ग्वालियर की सशस्त्र पुलिस बल में बतौर सिपाही भर्ती हुए थे, पर कांग्रेस के स्वराज का समर्थन करने के कारण, जो ब्रिटिश हुकूमत में जुर्म था, वह दो साल बाद बर्खास्त कर दिए गए। उन्होंने अपील की और अपील में वह बहाल कर दिए गए। 1946 में उन्होंने ग्वालियर में ही 'नान–गजेटेड मुलाजिमान पुलिस एण्ड आर्मी संघ' की स्थापना की, और उसके सर्वसम्मति से अध्यक्ष बने। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से राम सुमेर यादव, बुद्धेश राना, राम अवतार पासवान, भन्ते प्रज्ञानन्द, मो. जावेद, दुर्गेश कुमार, राम अचल यादव, रामवृक्ष गौतम, मनीराम मौर्य, विमला देवी, डा. रिफाकत अली, विनय कुमार, सीताराम भारती, राम दुलारे गौतम के साथ ही भारत मुक्ति मोर्चा सहित अनेक संगठनों के लोग शामिल रहे।

डा. अम्बेडकर शिक्षा समिति ने गुरूजनों को सम्मानित कर छात्रों में किया शैक्षणिक सामग्री का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डा. अम्बेडकर शिक्षा समिति के दूसरे स्थापना दिवस पर संस्थापक अध्यक्ष दिग्विजय कुमार के संयोजन में बनकटी विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय कुरियार, भैसवलिया, मोहनाखोर के साथ ही अम्बेडकर पार्क सिरौता, मसजिदिया आदि स्थानों पर छात्र–छात्राओं में निःशुल्क शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। इसी कड़ी में शिक्षक दिवस पर गुरूजनों को कलम भेंट कर उनके योगदान की सराहना की गई।

डा. अम्बेडकर शिक्षा समिति के संस्थापक अध्यक्ष दिग्विजय कुमार ने आयोजित कार्यक्रमों में कहा कि बाबा साहब ने सदैव शिक्षा अर्जित करने पर जोर दिया। समिति की स्थापना भी शिक्षक दिवस पर किया गया। समिति की ओर से अनेक गांवों में पाठशाला संचालित कर छात्रों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करायी जा रही है।

समाजसेवी इन्द्रसेन राव ने कहा कि आज भी अनेक गांवों में अभिभावक गरीबी के कारण अपने पाल्यों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध नहीं करा पाते। ऐसे में समिति का यह छोटा प्रयास है जिससे स्कूली छात्रों के चेहरों पर मुस्कान लाया जा सके। कार्यक्रमों में देवेन्द्र प्रताप, दिनेश आजाद, अरविन्द, लालचंद, सोनू, रूपेश राव, बलवन्त भारती, गोविन्द कुमार, अमरेश राव, वृजेश कुमार, अनुराग कुमार, अमरनाथ, धीरेन्द्र निराला, राजन कुमार, राजेन्द्र भाष्कर आदि ने योगदान दिया।

शिक्षक दिवस : डायट प्राचार्य, बीएसए ने शिक्षकों को सम्मानित किया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत रत्न डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर शिक्षक दिवस कार्यक्रम जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में गुरुवार को मनाया गया। जिसमें नामांकन वृद्धि, शिक्षा की गुणवत्ता, उन्नयन में उल्लेखनीय कार्य के लिए जनपद के 55 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को प्रशस्ति पत्र व अंग वस्त्र देकर डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल और बीएसए अनूप कुमार द्वारा सम्मानित किया गया। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि शिक्षक प्रेरणा के स्तंभ होते हैं, जो छात्रों को उनकी शैक्षिक यात्रा में मार्गदर्शन करते हैं और उनमें उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास और ज्ञान भरते हैं। वे

–शिक्षक प्रेरणा के स्तम्भ– संजय शुक्ल

न केवल बच्चों में सर्वश्रेष्ठ को सामने लाते हैं, बल्कि उन्हें करुणा, संगठन, संचार और प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल भी सिखाते हैं। बीएसए अनूप कुमार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष शिक्षक दिवस के अवसर पर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाता रहा है। शिक्षकों का विद्यार्थियों के साथ एक अनोखा रिश्ता होता है और वे हमेशा उन्हें बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर खण्ड बीईओ विनोद त्रिपाठी, प्रभात श्रीवास्तव, छनमन गौड़, विजय आनन्द, धीरेन्द्र त्रिपाठी, डीसी सुनील त्रिपाठी, स्वप्निल श्रीवास्तव, डायट प्रवक्ता डॉ गोविंद प्रसाद, डॉ रविनाथ, शशि दर्शन त्रिपाठी, अलीउद्दीन, मो इमरान खान, वर्षा पटेल, अमन सेन यादव, सरिता, वंदना, कुलदीप चौधरी, नवनीत वर्मा, गरिमा पटेल, अनिल चौधरी, डॉ सर्वेष्ट मिश्र, आशीष श्रीवास्तव, अंगद पाण्डेय, दुर्गेश यादव, महेंद्र, मनोज चौधरी, डॉ. प्रमोद सिंह, विद्यासागर वर्मा, ललित उपाध्याय, राजीव उपाध्याय, नीलम पाण्डेय, सुरेन्द्र चौधरी, शांति देवी, आशा त्रिपाठी, अन्तिका सिंह, उपेन्द्र कुमार, अजीत कुमार, संजय सिंह आदि मौजूद रहे।

केजरीवाल की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई भ्रष्टाचार मामले में जमानत के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से दायर याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने दिल्ली सीएम की जमानत याचिका पर सुनवाई की है। वहीं वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने केजरीवाल का पक्ष रखा।

जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि श्सीबीआई ने आबकारी नीति मामले में जो एफआईआर दर्ज की है, उसमें केजरीवाल का नाम नहीं है। साथ ही केजरीवाल को बीते दिनों अंतरिम जमानत देते हुए भी सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली सीएम समाज के लिए खतरा नहीं हैं।' सिंघवी ने ये भी कहा कि दो बार सुप्रीम कोर्ट और एक बार ट्रायल कोर्ट केजरीवाल को जमानत पर रिहा करने का आदेश दे चुका है।

सिंघवी के अनुसार, एक बार सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए जमानत पर रिहा किया था और एक बार ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी केजरीवाल को जमानत मिल चुकी है।

सिंघवी ने दलील दी कि केजरीवाल एक संवैधानिक पद पर हैं और समाज के लिए खतरा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि श्सीबीआई ने दो वर्षों में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी, लेकिन फिर बीती 26 जून को केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया। केजरीवाल की गिरफ्तारी एक तरह से इंश्योरेंस गिरफ्तारी थी।

पार्टी की मजबूती के लिये सदस्यता अभियान तेज करेगी रालोद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय लोकदल की मासिक बैठक गुरूवार को न्याय मार्ग स्थित पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष उदयभान चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पार्टी सगठन की मजबूती के लिये प्रभावी कदम उठाये जाने, सदस्यता अभियान को गति देने, जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किये जाने, किसान हितों के लिये संघर्ष करने, बकाया गन्ना मूल्य भुगतान आदि के मुद्दों पर विचार कर निर्णय लिये गये।

बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश चौधरी ने पार्टी की मजबूती के लिये महत्वपूर्ण सुझाव दिये। कहा कि पार्टी के पदाधिकारी पूरी ताकत से जुट जाय जिससे राजनीतिक लक्ष्य के साथ सामाजिक स्तर पर विकास की गति को तेजी मिल सके।

रालोद के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि सदस्यता अभियान तेज करने के साथ ही अभी से 2027 के विधानसभा चुनावों के लिये जुट जाने की जरूरत है। मजबूत संगठन, नीति, कार्यक्रम के आधार पर ही जनता का भरोसा जीता जा सकता है। कहा कि किसानों, नौजवानों के हितों के लिये पार्टी का रचनात्मक संघर्ष जारी रहेगा।

क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी ने कहा कि तहसील, ब्लाक और बूथ स्तर पर सदस्यता अभियान में तेजी लाये जाने की जरूरत है। संगठन की मजबूती के लिये सदस्यता अभियान जरूरी है।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य महिपाल पटेल, मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी ने कहा कि किसानों, नौजवानों का हित पार्टी की पहली प्राथमिकता है। गांव– गांव जाकर लोगों को पार्टी का सदस्य बनाना होगा।

रालोद की मासिक बैठक में मुख्य रूप से विवेक श्रीवास्तव, रमेश चन्द्र गिरी, अरूण कुमार चौधरी, राम सूरत चौधरी, रविन्द्र चौधरी ' गोलू', अशरफ अली, गोरखनाथ चौधरी, इन्द्र बहादुर यादव, आर.एन. पटेल, ओमकार चौधरी, के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

शिक्षक दिवस पर सम्मानित किये गये गुरूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन पर रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल द्वारा गुरूवार को औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज बिहार बाजार में शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम मां सरस्वती डॉक्टर राधाकृष्णन के चित्र पर स्कूल के प्रबंधक सतीश सिंह पूर्व प्रधानाचार्य मारकंडेय सिंह, अनिरुद्ध त्रिपाठी वयोवृद्ध शिक्षक राम कृपाल दुबे , राम कुबेर दुबे ने माल्यार्पण किया ।

रोटरी क्लब के सचिव लक्ष्मीकांत पाण्डेय ने कहा कि गुरु का सम्मान भगवान के सम्मान के बराबर है गुरु के द्वारा ही जीवन में चलने की राह दिखाई जाती है रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल शिक्षकों को सम्मानित करके अपना सम्मान बढ़ा रहा है ।

शिक्षक अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा की गुरु और शिष्य की परंपरा एक सनातन परंपरा है जीवन की प्रथम गुरु मां होती है । मारकंडेय सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

रोटरी क्लब द्वारा शिक्षक 90 वर्षीय राम कृपाल दुबे राम कुबेर दुबे, मारकंडेय सिंह, अनिरुद्ध त्रिपाठी, शिवपूजन वर्मा, सुरेंद्र प्रताप सिंह प्रधानाचार्यसमीर रंजन सिंह को सम्मान पत्र तथा अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह भेंटकर देकर सम्मानित किया गया । स्कूल के छात्र सूरज तथा मोहम्मद कैफ द्वारा अपने गुरुओं का छायाचित्र बनाकर गुरु दक्षिणा के रूप में दिया

इस अवसर पर क्लब के चार्टर अध्यक्ष मुनीरूद्दीन अहमद, रोटेरियन श्यामधर सोनी ,मनीष कुमार सिंह , अध्यापक अजय गौतम, हरि सिंह वीरेंद्र यादव, अरविंद श्रीवास्तव, अमितेश सिंह, श्रीमती रितु सिंह अंजू वर्मा सुष्मिता वर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों और शिक्षकों के द्वारा स्कूल में ' आर.ओ. प्लांट का उद्घाटन भी किया गया । संचालन अजय प्रताप सिंह द्वारा किया गया। कॉलेज के प्रबंधक सतीश सिंह द्वारा सम्मानित शिक्षकों कार्यक्रम में आए हुए गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया

पुण्यतिथि पर समाजवादियो ने बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा को याद किया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को समाजवादियों ने पार्टी कार्यालय पर बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा को उनकी पुण्य तिथि पर याद किया। जिला उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा के व्यक्तित्व, कृतित्व पर प्रकाश डाला। जावेद पिण्डारी ने कहा कि जगदेव बाबू एक महान राजनीतिक दूरदर्शी थे, वे हमेशा शोषित समाज की भलाई के बारे में सोचा।

सपा नेता जमील अहमद, समीर चौधरी, मो. सलीम, मो. स्वालेह, अरविन्द सोनकर आदि ने कहा कि बाबू जगदेव प्रसाद ने सोशलिस्ट पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया और समाजवादी विचारधारा का देशीकरण करके इसको घर–घर पहुंचा दिया। एक संजीदा पत्रकार की हैसियत से उन्होंने दलित–पिछड़ों–शोषितों की समस्याओं के बारे में खूब लिखा तथा उनके समाधान के बारे में अपनी कलम चलायी। 5 सितम्बर 1974 को जगदेव बाबू हजारों की संख्या में 'शोषित समाज' का नेतृत्व करते हुए अपने दल का काला झंडा लेकर आगे बढ़ने लगे। कुर्था में तैनात डी. एस.पी. ने सत्याग्रहियों को रोका तो जगदेव बाबू ने इसका प्रतिवाद किया और विरोधियों के पूर्वनियोजित जाल में फंस गए। सत्याग्रहियों पर पुलिस ने अचानक हमला बोल दिया। जगदेव बाबू चट्टान की तरह जमें रहे और और अपना क्रांतिकारी भाषण जारी रखा, निर्दयी पुलिस ने उनके ऊपर गोली चला दी। गोली सीधे उनके गर्दन में जा लगी, वे गिर पड़े। पुलिस घायलावस्था में उन्हें पुलिस स्टेशन ले गयी। पानी–पानी चिल्लाते हुए जगदेव जी ने थाने में ही अंतिम सांसे ली। ऐसे महान सपूत से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा को उनकी पुण्य तिथि पर याद करने वालों में अजय यादव, विपिन त्रिपाठी, विवेक यादव डिम्पल, मो. युनुस, तूफानी यादव, इन्द्रावती शुक्ल, अजय दूबे, जयराज यादव, राजेन्द्र, राजेन्द्र यादव, राजदेव प्रसाद, अखिलेश यादव, चन्द्रहास यादव, बलवंत यादव, मन्नू सिंह अशोक यादव, सन्तोष चौधरी, अमित गौड़, जोखू यादव, धर्मवीर यादव, विशाल यादव, धनुषधारी गुप्ता, मो. दाउद, अकबर अली, राम प्रकाश चौधरी के साथ ही अनेक सपा नेता, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती

बस्ती 6 सितम्बर 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

दुराचार और कानून

हाल ही में कोलकाता में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार और हत्या की घटना ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। इसको लेकर पश्चिम बंगाल व देश के अन्य भागों में चिकित्सा बिरादरी के लोग व छात्र–छात्राएं आंदोलनरत रहे हैं। निश्चित ही यह दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद घटना थी। लेकिन इस मुद्दे को लेकर जिस तरह की राजनीति होती रही है, वह और भी दुर्भाग्यपूर्ण है। विडंबना है कि एक अमानवीय घटना को राजनीतिक अस्त्र बनाने और उसका प्रतिकार करने का माध्यम बना दिया गया। इसी कड़ी में आनन–फानन में बुलाए गए पश्चिम बंगाल विधानसभा के सत्र में जल्दीबाजी में बलात्कार विरोधी विधेयक 'अपराजिता' पारित कर दिया गया। यदि किसी महिला के साथ बलात्कार के बाद मृत्यु हो जाती है या उसे छोड़ भी दिया जाता है, तो विधेयक बलात्कारी के लिये मृत्युदंड का प्रावधान करता है। कहा जा रहा है कि दुराचार के बाद युवा डॉक्टर की निर्मम हत्या के बाद पश्चिम बंगाल में जो आक्रोश आम लोगों में उपजा है उसको दबाने की यह एक राजनीतिक निहितार्थ वाली प्रतिक्रिया है। दरअसल, यह विधेयक जनता के व्यापक विरोध के बाद सामने आया है। जनता ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार से न्याय और जवाबदेही की मांग करती रही है। वहीं राज्य सरकार का दावा है कि विधेयक का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शासन की प्रतिबद्धता के प्रति आश्वस्त करना है। हालांकि, ममता सरकार द्वारा आनन–फानन में लाए गए विधेयक ने इस बात को लेकर बहस छेड़ दी है कि यह कदम राज्यव्यापी असंतोष को शांत करने के लिये महज राजनीति से प्रेरित प्रतिक्रिया है। दरअसल, राज्य में तृणमूल कांग्रेस के नेता जनता के भारी विरोध का सामना कर रहे हैं। हाल ही में आंदोलनकारी प्रशिक्षु डॉक्टरों पर भीड़ के हमले और प्रदर्शन के दौरान पुलिस के दमन से लोगों में भारी गुस्सा है। यही नहीं, टीएमसी के कई नेताओं की असंवेदनशील टिप्पणियों ने भी आंदोलनकारियों के आक्रोश को और बढ़ाया है।

दरअसल, राज्य के लोगों खासकर महिलाओं में इस बात को लेकर भी गुस्सा है कि जिस राज्य में एक महिला मुख्यमंत्री हो, वहां एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार व हत्या के मामले में राज्य सरकार ने ईमानदार प्रतिक्रिया नहीं दी। टीएमसी के कई नेताओं द्वारा की गई अनर्गल बयानबाजी ने भी आग में घी डालने का काम किया। दरअसल, राज्य सरकार ने इस कांड में किरकिरी होते देख मामले को दबाने का प्रयास किया। पीड़िता के परिवार ने भी उनके साथ किये गए व्यवहार को लेकर तीखा प्रतिवाद किया था। फिर प्राथमिकी दर्ज करने में देरी व मेडिकल कालेज के परिसर में आंदोलनरत छात्रों पर एक भीड़ के हमले ने यह संदेश दिया कि मामले को दबाने की कोशिश हो रही है। इस तरह के कृत्यों से राज्य में घटना का विरोध और तेज होता चला गया। निस्संदेह, इस मुद्दे पर विपक्षी दलों द्वारा जमकर राजनीति की गई, लेकिन जिस तरीके से राज्य सरकार व प्रशासन ने मामले में प्रतिक्रिया दी, उसने लोगों के गुस्से को बढ़ाया ही है। एक पहलू यह भी है कि नया विधेयक केंद्र की भारतीय न्याय संहिता के साथ तालमेल नहीं रखता, जो बलात्कार के लिये मृत्युदंड का प्रावधान नहीं करती। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों के इसी तरह के विधेयक राष्ट्रपति की अनुमति के लिये जूझते रहे हैं। दरअसल, विगत के अनुभव बताते हैं कि मौत की सजा इस तरह के अपराधों पर नियंत्रण करने में सफल नहीं हुई है। कानून के विशेषज्ञ ऐसी तुरत–फुरत सजा को मानव अधिकारों की प्रकृति के विरुद्ध बताते रहे हैं। तभी विधेयक के पारित होने को टीएमसी सरकार की हताशा से उपजा कदम बताया जा रहा है। आने वाले वक्त बताएगा कि यह विधेयक कानून बनने के बाद जमीनी हकीकत में बदलाव लाएगा या फिर कानूनों की लंबी सूची में इजाफा ही करेगा। हालांकि, इस विधेयक को अभी राज्यपाल व राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार करना है, फिर इसकी प्रभावकारिता और नैतिक निहितार्थों से जुड़े व्यापक प्रश्न हमारे सामने खड़े हैं। बेहतर होगा कि राज्य सरकार ऐसे मामलों में जांच और न्यायिक प्रक्रिया में सुधार करके तेज व निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करे।

बीच बहस में बाबा का बुलडोजर

– अशोक मधुप–

आज आमजन भ्रष्टाचार पीड़ित है। ऐसा लगने लगा है कि कोई काम अब रिश्वत दिए बिना नहीं होता। भ्रष्टाचार देश की जड़ तक पहुंच गया। सभी इससे परेशान हैं किंतु इसके रोकने के लिए कोई पहल नही कर रहा। ईमानदारी का चोला पहन कर राजनीति में आई आम आदमी पार्टी खुद आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। आप के सर्वे सर्वा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं दिल्ली के शराब घोटाले में जेल में हैं।

भ्रष्टाचार रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने नई व्यवस्था की है। ये बहुत अच्छी व्यवस्था है हालांकि अभी इसमें बहुत कुछ करना होगा। उत्तर प्रदेश के इस मॉडल को पूरे देश को स्वीकारना होगा। भ्रष्टाचार करने वालों के विरूद्ध उत्तर प्रदेश की कार्रवाई को अन्य प्रदेशों को अपने यहां लागू करना होगा, हालांकि अभी उत्तर प्रदेश में शुरूआत है। इस आदेश के परिणाम आने में समय लगेगा।

अपराधियों और माफियाओं के विरूद्ध उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बुलडोजर चलाया। उनके द्वारा खड़ी की गई अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया गया। ये प्रयोग इतना सफल रहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध घटे। अपराधी प्रदेश छोड़कर भागने लगे। प्रदेश की कामयाबी देख अन्य कुछ राज्यों ने भी यही बुलडोजर की कार्रवाई को स्वीकारा। इसे अपने यहां लागू किया। स्वयं सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों के बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के एक्शन की प्रशंसा की।

प्रदेश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक आदेश में राज्य के आईएएस, आईपीएस, पीपीएस, पीसीएस अफसरों की तर्ज पर राज्य कर्मचारियों को भी ऑनलाइन संपत्तियों का ब्यौरा देना अनिवार्य कर दिया है। सभी सरकारी कर्मचारियों को अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्यौरा ऑनलाइन मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया था। हालांकि शिक्षकों, निगम कर्मचारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारियों को अभी इसमें शामिल नहीं किया गया। सरकार ने इसके लिए समय सीमा निर्धारित करते हुए इसके लिए आखिरी तारीख 31 अगस्त तय की गई थी। आदेश के बाद भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने ये काम नहीं किया। इस कारण सरकार ने इनकी सैलरी रोकने का आदेश किया दी। पहले खबर आई थी इनका प्रमोशन भी रोका जा रहा है। अब यूपी सरकार ने कर्मचारियों को एक महीने का और वक्त दिया है। ये सरकार की ओर से आखिरी अल्टीमेटम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मात्र 71 फीसदी कर्मचारियों ने ही अपनी चल और अचल संपत्ति की जानकारी अपलोड की है। 2,44,565 राज्य कर्मचारियों की संपत्ति का ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पाया।

उत्तर प्रदेश सरकार के चीफ सेक्रेटरी ने सभी विभागों के प्रमुखों को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि सभी सरकारी कर्मचारी 31 अगस्त तक चल–अचल संपत्ति घोषित करें नहीं तो उनका प्रमोशन नहीं होगा। इसके साथ ही कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी भी नहीं आएगी। सरकारी कर्मियों को संपत्ति घोषित करने का निर्देश पहले भी दिया जा चुका है लेकिन संतोषजनक रिस्पांस नहीं मिलने पर सरकार ने कड़ा फैसला लिया है। यूपी सरकार ने अब राज्य कर्मचारियों को एक महीने की छूट दी है और आदेश दिया है कि कर्मचारी दो अक्तूबर तक संपत्ति का ब्योरा दे सकेंगे। पहले ब्योरा न देने वालों कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी रोकने का आदेश दिया गया था। संपत्ति का ब्यौरा देने में टेक्सटाइल, सैनिक कल्याण, ऊर्जा, खेल, कृषि और महिला कल्याण विभाग के कार्मिक सबसे आगे रहे। जबकि, शिक्षा विभाग के कार्मिक अपनी संपत्ति को छिपाने में आगे हैं। इस लिहाज से सबसे फिसड्डी बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास और राजस्व विभाग साबित हुए।

17 अगस्त को जब यह आदेश जारी हुआ था, तब 131748 यानी 15 फीसदी राज्य कर्मियों ने ही पोर्टल पर अपनी संपत्ति दर्ज की थी। 20–31 अगस्त के बीच यह बढ़कर 71 फीसदी हो गया। शासन के एक उच्चपदस्थ अधिकारी ने बताया कि संपत्ति का ब्यौरा न देने वाले कार्मिकों का वेतन रोकने का आदेश पहले ही दिया जा चुका है। सभी विभागों को इसका अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। प्रदेश में कुल 846640 राज्य कर्मी हैं। इनमें से 602075 ने ही मानव संपदा पोर्टल पर चल–अचल संपत्ति का ब्यौरा दिया। विवरण दर्ज कराने के आदेश पर जीपी मुख्यालय ने नियुक्ति विभाग को पत्र भेजकर उनके कार्मिकों के लिए संपत्ति का ब्यौरा देने के लिए कुछ और समय दिए जाने का अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया है कि त्योहारों और पुलिस भर्ती परीक्षा के कारण तमाम पुलिस कर्मी समय से अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं दे पाए। माना जा रहा है कि गृह विभाग के लिए यह तिथि बढ़ाई जा सकती है। शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, जिन अधिकारियों–कर्मचारियों का अगस्त माह का वेतन रोका गया, इसे तभी जारी किया जाएगा, जब वे संपत्ति का ब्यौरा दे देंगे। उनकी संपत्ति का ब्यौरा मिलने पर वेतन देने का फैसला संबंधित विभाग शासन से वार्ता के बाद ले सकेंगे। लगता है कि इसी पत्र के बाद विवरण दर्ज कराने के लिए एक माह का और समय दिया गया है।

आदेश सही है किंतु इसमें अभी सुधार करना होगा, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए अभी उत्तर प्रदेश को बहुत कुछ करना होगा। कर्मचारियों के अपनी चल और अचल संपत्ति के मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज कराने से काम नही चलेगा। इसके लिए उसके परिवार के सभी सदस्यों की संपत्ति का ब्योरा दर्ज कराना होगा। ये आदेश राज्य सभी सरकारी और अर्ध सरकारी कर्मचारियों पर लागू किया जानी चाहिए। वास्तव में यह कार्य सेवा में आने से पूर्व होना चाहिए। सेवा में आने के बाद शादी होने पर कर्मचारी अपनी पत्नी की प्रत्येक प्रकार की संपत्ति दर्ज कराए। बच्चे होने पर उनका विवरण दर्ज हो। इतना ही नही जन प्रतिनिधियों, जन सेवकों पर भी यह व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। आज हालत यह है कि देख गया है कि प्रधान या स्थानीय निकाय का चेयरमैन बनते ही उसके पास लंबी चौड़ी गाड़ी आ जाती है। यह तभी रूकेगी जब, उसके और उसके परिवार की चल अचल संपत्ति चुने जाते ही शपथ से पूर्व घोषित की जाए। विधायकों और विधान परिषद सदस्य, विभिन्न बोर्ड के पदाधिकारी और सदस्यों पर भी यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए।

समाज में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए देश को सख्त निर्णय लेने होंगे। भ्रष्ट हुई व्यवस्था अब बिना सख्ती के ठीक नही होगी। इसकी जड़े आज बहुत गहराई तक पहुंच गई हैं। भ्रष्टाचार की इन जड़ों को ही हमें नही काटना होगा, अपितु इनकी जड़ों का मिल रहा खाद पानी भी रोकना होगा। एक बात और कि ऐसी भी व्यवस्था कानून में होनी चाहिए की रिश्वत देने वाला सरकार को बताए कि उससे रिश्वत मांगी जा रही है। उसके द्वारा दी गई सूचना गुप्त रखी जाए। सूचना पर कार्रवाई होने के बाद सूचना देने वाले को सम्मानित भी किया जाए। अगर नही बताता है तो पता चलने पर उसके विरूद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए। एक चीज और हमें स्कूली शिक्षा से ही बच्चों को आदर्श नागरिक बनने के बारे में उसे बताना होगा। उसे प्रेरित करना होगा कि वह समझे कि भ्रष्टाचार गलत है। भ्रष्टाचारी के प्रति होने वाली कार्रवाई से भी उसे अवगत कराया जाए, ताकि बचपन से ही इस कुरूति के प्रति उसके मन में गलत धारणा बन सके। ऐसा होने पर ही इसे रोका जा सकेगा।

बदलते वक्त के साथ शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियां

–प्रो. आर.सी. कुहाड़–

भारतीय चिंतन में शिक्षक, आचार्य, गुरु और सद्गुरु का वर्णन लगभग प्रत्येक ग्रंथ में उपलब्ध है। भारत ने ज्ञान के स्रोत वेदों को लिपिबद्ध किया और विश्व को उस ज्ञान से परिचित कराया। हम सदैव कंगूरे की ईंट के गीत गाते हैं नींव की ईंट के गीत कौन गाता है? हम उस बीज को भूल जाते हैं जिसने गलकर इस वृक्ष का निर्माण किया था। वृक्ष का निर्माण बिना बीज के गले नहीं हो सकता। जिन ऋषि– मुनियों ने वेदों व उपनिषदों की रचना की, वह किसी लोभवश नहीं बल्कि सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की धारणा को मन में रखकर उन्होंने उस ज्ञान को लिपिबद्ध किया। उस ज्ञान की चर्चा अपने शिष्यों के साथ की, जिनका वर्णन उपनिषदों में मिलता है। दरअसल, शिक्षक, आचार्य, गुरु और सद्गुरु इन्हीं व्यक्तियों के नाम हैं। जिन्होंने अपने ज्ञान, आचरण, प्राण और चेतना द्वारा अपने परिसर को अनुप्राणित किया है, पुष्पित और पल्लवित किया है।

भारतीय चिंतन में जिस दिन चंद्रमा पूरा निकलता है, उस दिन पूर्णमासी होती है, एक पर्व होता है, त्योहार होता है, कभी उस त्योहार पर रक्षाबंधन होता है, कभी गुरु पर्व होता है, कभी होली होती है और कभी गुरु पूर्णिमा भी मनाई जाती है। गुरु पूर्णिमा मनाने के पीछे जो दर्शन है, वह दर्शन हमें हमारे गुरुओं, आचार्यों और सद्गुरुओं के नमन–वंदन, स्वागत–अभिनंदन करने को प्रेरित करता है। जिसमें हम अपने आचार्यों के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करते हैं। 5 सितंबर जिसे भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में, शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा और शिक्षक दिवस हम सबको यही प्रेरणा देते हैं कि हमें ज्ञान के स्रोत से जुड़े हुए व्यक्तियों का आदर और सम्मान करना चाहिए। वह सम्मान हमारे चिंतन में, हमारे व्यवहार में, हमारी वाणी में, हमारे कार्यों में परिलक्षित होना चाहिए। जिनके लिए हमारे मन में आदर व सम्मान का भाव होता है, हम उनका कहना मानते हैं। हम जिनका कहना मानते हैं, वह हमारे कार्य व्यवहार का अंग बन जाता है, व्यवहार व्यक्तित्व का दर्पण होता है। हमारे व्यक्तित्व से हमारे शिक्षक, आचार्य द्वारा सिखाई गई शिक्षा ही दिखाई देती है। जहां हमारी भौतिक उपस्थिति नहीं होती है, वहां पर हमारे यह गुण–अवगुण ही हमारा प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए हमें शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए।

शिक्षक वह होता है जो जानता है कि बेहतर शिक्षण के लिए मन और मानसिकता का मेल होना आवश्यक है। शिक्षक ज्ञान का मानव कम्प्यूटरध्संगम है। शिक्षण संस्थान के निर्माण में शिक्षक का कौशल और दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। शिक्षक को भावनाओं से निपटना आना चाहिए। वर्तमान में शिक्षक को डिजिटल शिक्षा के प्रसार से निपटने के लिए शिक्षण और सीखने के डिजिटल तरीकों को सीखने की आवश्यकता है।

शिक्षक वह होता है जो जानता है कि बेहतर शिक्षण के लिए मन और मानसिकता का मेल होना आवश्यक है। शिक्षक ज्ञान का मानव कम्प्यूटरध्संगम है। शिक्षण संस्थान के निर्माण में शिक्षक का कौशल और दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। शिक्षक को भावनाओं से निपटना आना चाहिए। वर्तमान में शिक्षक को डिजिटल शिक्षा के प्रसार से निपटने के लिए शिक्षण और सीखने के डिजिटल तरीकों को सीखने की आवश्यकता है। शिक्षक को स्वयं जागरूक होने और छात्रों में नई शिक्षा पद्धति, गतिविधियों, कार्यक्रमों और मूल्यांकन प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। शिक्षक जागरूकता को व्यवहार में बदलने में सक्षम होने चाहिए। यह शिक्षक ही है जो शिक्षण संस्थानों में मूल्य संस्करण लाता है। शिक्षक को कभी भी छात्रों के साथ उनकी जाति, धर्म और क्षेत्र के आधार पर व्यवहार नहीं करना चाहिए। एक शिक्षक सभी जातियों, धर्मों और क्षेत्रों से संबंधित होता है, या किसी से भी नहीं। शिक्षक को कभी भी अयोग्य छात्रों की प्रशंसा नहीं करनी चाहिए और कभी भी स्वार्थी उद्देश्यों के लिए उनका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। शिक्षक को जनता द्वारा कर्मचारी नहीं माना जाना चाहिए। शिक्षक को स्वयं को कर्मचारी नहीं समझना चाहिए क्योंकि शिक्षक ही एकमात्र व्यक्ति है जो राष्ट्र निर्माण में सक्षम है और राष्ट्रीय निर्माण प्रक्रिया में बड़ी भूमिका निभाता है। शिक्षक छात्रों को तार्किक, विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक रूप से सोचने में सक्षम बनाता है। शिक्षक हमें ज्ञान, विचार, अनुसंधान व संसाधनों को साझा करना सिखाते हैं। निस्संदेह, सबसे प्रतिभाशाली दिमाग को शिक्षा के क्षेत्र में आना चाहिए।

पूरे विश्व में इन शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए विद्यार्थियों का ही इतिहास दिखाई देता है। कौन नहीं जानता महान दार्शनिक सुकरात को, अरस्तु और प्लेटो को? कौन भूल सकता है चाणक्य को, कुमार जीव को, सर सीवी रमन को, महर्षि अरविंद को, ईश्वरचंद्र विद्यासागर जी को जिन्होंने आजीवन शिक्षक धर्म निभाया। अध्यापक वो है जिसका ध्येय अध्यापन का हो और जो सदैव नवीन विचारों के लिए अपने आप को तत्पर रखे, और उनको समय, परिस्थिति, देश के अनुरूप विद्यार्थियों तक पहुंचाता रहे। उसे अपने विचारों को कार्य रूप में परिणत करने का भी ध्यान रखना होगा। तभी कक्षाओं में किया गया वार्तालाप समाज की समस्याओं के निराकरण का कारण बनेगा। शिक्षक को अपने कार्य व्यवहार और आचरण से अपने विद्यार्थियों के अंदर समयबद्धता को उनके एक गुण के रूप में विकसित करना होगा। शिक्षक को नए अन्वेषण के लिए निरंतर सीखने रहने की आदत बनानी होगी। हमारे राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने क्या कहा था रू 'यदि देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है और रचनात्मक मस्तिष्कों वाला राष्ट्र बनाना है, तो तीन प्रमुख सामाजिक सदस्य हैं जो बदलाव ला सकते हैं रू माता, पिता और शिक्षक। शिक्षक छात्रों को आत्मविश्वासी बनने, तनाव से निपटने, भावनात्मक स्थितियों से निपटने और सबसे बढ़कर राष्ट्र के प्रति प्रेम और ईमानदारी से काम करने में मदद करता है।'

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण ने दानों में सर्वश्रेष्ठ दान ज्ञानदान को ही कहा है। ज्ञान का दान करने वाला आचार्य होता है, शिक्षक होता है, गुरु होता है, इसलिए आज शिक्षक दिवस पर हम संकल्प लें कि हम शिक्षकों, आचार्यों और गुरुओं को वह सम्मान सदैव देते रहेंगे जो उन्हें दिया जाना चाहिए।–लेखक हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति रहे हैं।

कड़े कानून और बलात्कार

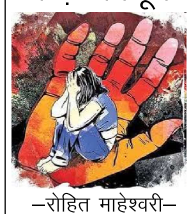

–रोहित माहेश्वरी–

कोलकाता में डॉक्टर रेप एवं हत्या मामले के बाद कानूनों में सुधार के बावजूद रेप की बढ़ती घटनाओं ने सरकार और पुलिस को कटघरे में खड़ा कर दिया है। कोलकाता आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर बिटिया के रेप–मर्डर के बाद जो तनाव, गुस्सा, आक्रोश और विरोध–प्रदर्शन बंगाल के कई हिस्सों में देखे गए हैं, उन्हें शांत करने के लिए पश्चिम बंगाल विधानसभा में 'अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक' (आपराधिक कानून एवं संशोधन) सर्वसम्मति से पारित किया गया है। असल में यह बिल एक राजनीतिक प्रयास है, अपनी गिरती साख को बचाने और विरोध के स्वर धीमे करने का।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आशंका है कि इतने व्यापक विरोध से उनका परंपरागत जनाधार बिखर सकता है, लिहाजा बलात्कार, हत्या, यौन उत्पीड़न की कड़ी सजाओं के मद्देनजर उन्हें यह बिल पारित कराना पड़ा। प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने भी बिल का समर्थन किया, क्योंकि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अलबत्ता यह दिखावे का बिल साबित होगा और 'राष्ट्रपति भवन' में लटक कर रह सकता है। दरअसल कोई भी राज्य केंद्रीय कानूनों के समानांतर कानून नहीं बना सकता। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के मुताबिक साल 2019 में भारत में करीब 32 हजार रेप के मामले दर्ज हुए. यानी हर घंटे में औसतन चार मामले जबकि भारत में रेप से जुड़े कानून बहुत कड़े हैं, जिनमें मौत की सजा तक का प्रावधान है.

पश्चिम बंगाल विधानसभा में जो बिल पारित किया गया है, उसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पोक्सो) में संशोधन की बात कही गई है। ये कानून संसद द्वारा पारित किए गए हैं। केंद्रीय कानूनों की धाराओं के तहत बलात्कार, सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के लिए 20 साल की सजा, उम्रकैद और फांसी की सजा का प्रावधान है, जबकि 'अपराजिता बिल' में सिर्फ फांसी के प्रावधान का ही प्रस्ताव है। बीएनएस के तहत बाल अपराधियों के लिए रियायतों का प्रावधान है, लेकिन 'अपराजिता' में उन्हें खत्म करने का प्रस्ताव है।

गौरतलब है कि जांच, न्याय और सजा के लिए जो अवधि तय की गई है, वह अव्यावहारिक है, क्योंकि भारत में न्याय की परतें कई हैं। यदि फास्ट ट्रैक कोर्ट आरोपित को फांसी की सजा सुना भी देती है, तो उस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। उच्च न्यायालय के बाद सर्वोच्च अदालत है। अंततरू राष्ट्रपति को दया–याचिका दी जा सकती है। मात्र 10 दिन में इन सभी आयामों से न्याय पाना असंभव है, लिहाजा 10 दिन में फांसी की सजा महज नारेबाजी है। जनता को भ्रमित करने की राजनीति है, ताकि कोलकाता की सडकें तमाम तरह की सियासत से मुक्त हो सकें।

2012 के 'निर्भया कांड' का अंतिम फैसला 8 लंबे सालों के बाद मिला था। नतीजतन उसके बाद ही बलात्कारियों को फांसी पर लटकाया जा सका। उसके बाद किसी भी बलात्कारी को मृत्युदंड नहीं दिया जा सका। यह हमारे कानून के छिद्र हैं, हालांकि 'निर्भया कांड' के बाद जस्टिस जेएस वर्मा आयोग बनाया गया था। इस आयोग ने व्यापक विमर्श के बाद, बहुत ही कम समय में, अपनी रपट दी थी। उसके आधार पर केंद्र ने जो कानून बनाया, उसमें भी दोषी को अधिकतम सजा के तौर पर मृत्युदंड का प्रावधान था। हमारे देश और समाज में बलात्कार के औसतन 86 केस हर रोज दर्ज कराए जाते हैं, कितनों को फांसी की सजा दी जाती है? बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस विपक्षी खेमे की एक महत्वपूर्ण पार्टी है। इससे पहले आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र ने भी 'मौत की सजा' को अनिवार्य करने वाले बिल पारित किए थे, लेकिन केंद्र से मंजूरी नहीं दी गई। यही नियति अब बंगाल की हो सकती है।समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका समझनी होगी और महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता का दृष्टिकोण अपनाना होगा। तभी हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं, जहां महिलाएं वास्तव में सुरक्षित महसूस कर सकें और अपने सपनों को साकार कर सकें। महिला सुरक्षा के इस संघर्ष में समाज, सरकार, और कानून सभी का समान रूप से योगदान आवश्यक है।

पुलिस ने घेरा तो गन्ने के खेत में छिपकर करने लगे फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में दो पशु तस्करों को लगी गोली

संवाददाता–कुशीनगर। पुलिस की गुरुवार को दिनदहाड़े पशु तस्करों की मुठभेड़ हुई। गोपनीय सूचना पर पडरौना कोतवाली के बांसी चौकी क्षेत्र में फुलवरिया स्थान के समीप पुलिस ने पशु तस्करों को घेरा तो वह गन्ने के खेत में छुप गए और पुलिस पर फायरिंग करने लगे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो पशु तस्करों को गोली लगी है। दोनों को पुलिस ने इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा है। मौके पर और भी पशु तस्करों के छिपे होने की सूचना है, पुलिस पूरे इलाके में कांबिंग कर रही है। मौके पर एसपी संतोष कुमार मिश्र भी मौजूद रहे। और खुद टीम की मॉनीटरिंग कर रहे थे। एसपी संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि दोपहर बाद पशु तस्करों के आने की सूचना पर पडरौना कोतवाली, सर्विलांस थाना व कप्तानगंज थाने की संयुक्त पुलिस टीम बांसी चौकी क्षेत्र में फुलवरिया स्थान के समीप वाहनों की चेकिंग कर रही थी तभी चार पहिया व एक दोपहिया सवार पशु तस्कर पहुंचे। पुलिस ने उन्हें रोका तो सभी वाहनों से उतर कर खेतों में भाग गए। गन्ने के खेत में छिप गए। पुलिस टीम ने चारों से घेर कर कांबिंग शुरू की तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो पशु तस्करों को गोली लगी है। इनकी पहचाप अनुप यादव पुत्र दिनेश यादव निवासी हरिसेवक पुर नंबर दो थाना गुलरिहा जनपद गोरखपुर व लड्डू उर्फ खुर्शीद अंसारी पुत्र गुड्डू अंसारी निवासी खडवापट्टी थाना धनहा जनपद प चम्पारण बिहार के रूप में हुई है। अभियुक्त अनुप यादव पर 20 से भी ज्यादा मुकदमे हैं व हाल ही में जनपद गोरखपुर के थाना पिपराईच व खजनी में ग्रामीणों पर हमले की घटना में शामिल था। मौके से एक चारपहिया व एक दोपहियावाहन बरामद की गयी है। अन्य बदमाशों के छुपे होने की संभावना पर अभी कांबिंग चल रही थी।

शिक्षक दिवस पर सम्मानित किए गए गुरूजन

संवाददाता–श्रावस्ती। डा सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती व शिक्षक दिवस मनाया गया। साथ ही सम्मान समारोह में डीएम व सीडीओ ने 50 शिक्षकों को सम्मानित किया। शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह की अध्यक्षता में हुआ। इस मौके पर डीएम व सीडीओ ने शिक्षा को लेकर उत्कृष्ठ कार्य करने पर शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। जिसमें प्रत्येक विकास खण्ड से 10–10 शिक्षक शामिल रहे। डीएम ने कहा कि शिक्षक दिवस महान भारतीय दार्शनिक, विद्वान और राजनीतिज्ञ डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वपल्ली राधाकृष्णन के अपने कार्य के प्रति समर्पण एवं विद्वत्ता के कारण ही उन्हें 1954 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया जो एक शिक्षक के लिए बहुत ही गर्व की बात थी। आज इसी बात की आवश्यकता है कि हमें भी डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्शों पर चलकर बच्चों को सही मार्ग पर ले जाना है व उन्हें मजबूत स्तम्भ के रूप में तैयार करना है। उन्होंने कहा कि नौनिहाल कच्चे घड़े के समान हैं। इनके भविष्य को संवारना गुरूजनों का दायित्व है। इसलिए सभी गुरूजन अपनी बेहतर सेवा देकर बच्चों के भविष्य को संवारें। सीडीओ ने कहा कि इस कार्यक्रम में उपस्थित अध्यापक जो आज सम्मानित हो रहे हैं। उनका यह दायित्व है कि वे अपने विद्यालय के अन्य अध्यापकों को अच्छा करने के लिए प्रेरित करने के साथ ही साथ अपने सहयोगियों को भी इस बात की प्रेरणा दें कि वे भी अपने विद्यालय को सर्वश्रेष्ठ विद्यालय बनाएं। सरकार की ओर से शिक्षा के बेहतर संसाधान उपलब्ध कराया जा रहा है। लेकिन स्कूलों में बच्चों को अच्छी शिक्षा देना गुरुजनों का कर्तव्य है। कार्यक्रम का संचालन बीएसए अजय कुमार गुप्ता ने किया। इस मौके पर एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

हर हर बम बम के जयघोष के साथ कांवरिए रवाना

संवाददाता–श्रावस्ती। कजरी तील पर भगवान शिव को जलाभिषेक करने के लिए कांवरिए रवाना हो गए। राप्ती नदी और पवित्र सरोवरों में स्नान करके कांवरिए जल भरकर विभूतिनाथ, गोण्डा जिले के पृथ्वीनाथ व बहराइच जिले के जंगली नाथ मंदिर के लिए पैदल चल दिए। इस दौरान हर हर बम बम के जयघोष से इलाका गुंजायमान हो गया। जगह जगह स्टाल लगा कर कांवरियों को जलपान व भोजन कराया गया। भिनगा के कालीमंदिर से कांवर यात्रा निकाली गई। गाजे बाजे के साथ कांवरिए सिरसिया के विभूतिनाथ मंदिर के लिए रवाना हो गए। इसी तरह से भंगहा बाजार के कालीमंदिर से भी कांवर यात्रा विभूतिनाथ के लिए रवाना हो गए। लक्ष्मननगर के पास सूरदास कुटी के पास राप्ती में स्नान करके कांवरिए विभूतिनाथ के लिए रवाना हो गए। गिरंट बाजार संवाद अनुसार जमुनहा बहराइच मार्ग पर बाबा जंगल दास कुट्टी के पास भाकला नदी से कांवरियों से जल भर कर कांवर यात्रा शुरू की। कांवरिए बहराइच जनपद के बाबा जंगली नाथ मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस मुस्तैद रही। थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय मौके पर मौजूद रहे। गिरंट बाजार में गुप्ता परिवार एवं व्यापारियों के तरफ से पानी भोजन के लिए स्टाल लगाए गए। इसी तरह हरिहरपुर चौराहा और मिर्जापुर चौराहे पर भी कांवरियों के लिए जलपान की व्यवस्था रही।

मल्हीपुर संवाद के अनुसार– मल्हीपुर के माल्ही चौराहा मल्हीपुर से कांवरिए रवाना हुए। अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा ने रवाना कांवरियों को रवाना किया। इस मौके पर हरीश जायसवाल गांधी, मनोज सोनकर, जगदंमिका वर्मा,भगत राम वर्मा जी,मेहुल नाग, कमलेश मिश्रा, रामकुमार शर्मा आदि मौजूद रहे। जमुनहा बस स्टैंड चौराहा स्थित ब्रह्मदेव स्थान पर शिव सेवक कावंरिया समिति की ओर से विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें बालेशर एन्ड पार्टी और लखनऊ के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। यह कार्यक्रम पूरी रात चलता रहा पुलिस बल भी मौजूद रहा।

वहीं कांवरिया संघ माल्ही चौराहा पर रास लीला और भंडारा का आयोजन हुआ। इस मौके पर शिवा वर्मा, सजन मिश्रा, राम गोविंद, मनीष शर्मा आदि मौजूद रहे। ओंम शिव सेवक कावरिया संघ जमुनहा के संस्थापक हरीश जायसवाल के नेतृत्व में डीजे गाजे बाजे के साथ जमुनहा के त्रिकुनी घाट बूढ़ी राप्ती नदी से कांवरियां का जत्था रवाना हुआ। वहीं दुर्गा मंदिर पटना वीरगंज से निकल कर भकला बर्रोहे पुल से जल लेकर माल्ही चौराहा पर एकत्र होकर कांवरिए रवाना हुए। वही मौके पर पूर्व गैसड़ी विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू, युवराज साहेब भिनगा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गीता गुप्ता, कन्हैया सिंह, जिला पंचायत सदस्य हरीश जायसवाल गांधी आदि मौजूद रहे।

जल्द पहचान व इलाज से कम समय में ठीक होगा टीबी रोग –सीएमओ

संवाददता–बहराइच। जिले में 9 से 20 सितम्बर तक टीबी यानि क्षय रोग के संभावित मरीजों को चिन्हित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत 375 टीमें 8.75 लाख आबादी में घर–घर जाकर टीबी के लक्षणों की जांच करेंगी। अभियान का उद्देश्य टीबी के लक्षणों वाले मरीजों की पहचान कर त्वरित इलाज शुरू करना है, जिससे बीमारी का प्रसार रोका जा सके और मरीज जल्द स्वस्थ हो सके। सीएमओ सभागार में आयोजित सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि टीबी एक संक्रामक रोग है, जो मरीज के खांसने और छींकने से फैलता है। इसके लक्षणों में लगातार दो हफ्ते से ज्यादा खांसी, बलगम या खून आना, बुखार, सीने में दर्द, भूख की कमी और वजन घटने जैसी समस्याएं शामिल हैं। यदि किसी व्यक्ति में ऐसे लक्षण हों, तो उन्हें तुरंत जांच कराकर इलाज शुरू करना चाहिए। टीबी का इलाज बीच में छोड़ना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे बैक्टीरिया दवा–प्रतिरोधी हो जाते हैं और इलाज अधिक कठिन हो जाता है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एमएल वर्मा ने बताया कि टीबी का बैक्टीरिया हवा के जरिए भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर फैल सकता है। इसलिए सार्वजनिक स्थानों पर खांसते या छींकते समय मुंह ढकना जरूरी है। यदि घर में किसी को टीबी है, तो अन्य सदस्यों को भी इससे संक्रमित होने का खतरा होता है। टीबी के इलाज के 15–20 दिनों के भीतर मरीज की खांसी बैक्टीरिया रहित हो जाती है, जिससे संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। उन्होंने बताया टीबी की जांच और इलाज की सुविधा जिले के सभी सीएचसी और जिला टीबी अस्पताल में उपलब्ध है. ब्लॉक स्तर के सीएचसी अधीक्षकों से माइक्रोप्लान और कार्ययोजना के साथ साथ टीबी मुक्त पंचायत की समीक्षा की गई। डब्लूएचओ कंसल्टेंट दीपक चतुर्वेदी, डीपीसी रवि शर्मा, एसटीएस, एसटीएलएस सहित सभी ब्लॉकों के सीएचसी अधीक्षक उपस्थित रहे।

दीवार में खूंटी में फंदे से लटकती मिली अधेड़ की लाश

संवाददता–बहराइच। एक अधेड़ की लाश बुधवार देर शाम घर में दीवार में गड़ी खूंटी से रस्सी के फंदे से लटकती मिली । सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक के बहनोई ने हत्या की आशंका जताई है। उसने थाने में मृतक की पत्नी व बेटे के विरूद्ध तहरीर दी है। हुजूरपुर थाने के नेवासी गांव में बुधवार देर शाम एक घर में दीवार में गड़ी खूंटी से 45 वर्षीय देशराज लोध पुत्र शंकर का शव रस्सी के फंदे से लटकता मिला। शव पर चोटे भी पाई गई है। मृतक के बहनोई देवकरनपुर बेहड़ा निवासी सुखराज ने थाने में तहरीर दी है कि उसके साले के साथ उसकी पत्नी व बेटे ने जमकर मारपीट की थी। जिसके चलते उसकी मौत हो गई। खुदकुशी के षड्यंत्र के तहत उसकी लाश दीवार में लगी खूंटी से लटका दी है। देशराज के शरीर पर तमाम चोटे है। जो मारपीट की खुद गवाही दे रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर गुरूवार दोपहर में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

भारत बनेगा विश्व गुरु, अधिक से अधिक लोगों को भाजपा से जोड़ा जाएगा- राकेश राठौर

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से गुरुवार को सदस्यता अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई। जिले के प्रभारी मंत्री राकेश राठौर ने पार्टी कार्यालय में इसकी जानकारी दी और सदस्यता अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार भारत को विश्वगुरु बनाना चाहती है। इसलिए अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ कर रिकार्ड बनाया जाएगा। गुरुवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रभारी मंत्री ने सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पहले भी सदस्यता अभियान करके एक कीर्तिमान स्थापित किया और विश्व की सबसे ज्यादा सदस्यों वाली पार्टी बनी। इस बार भी सभी कार्यकर्ताओं को पूरी तन्मयता के साथ जन जन से मिलकर पार्टी की विचारधारा, मोदी व योगी सरकार के कार्यों व योजनाओं को बताकर उन्हें 8800002024 पर मिस्ड कॉल करवाकर सदस्य बनाना है। हम सभी को संगठन की सदस्यता अभियान के बताये गए कार्यों को करते हुए ज्यादा आए ज्यादा सदस्य बनाने हैं। क्योंकि भाजपा का सदस्यता अभियान सशक्त समाज के निर्माण की नींव है। केन्द्र सरकार का लक्ष्य भारत को विश्व गुरु बनाना है। विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं को एक बार पुनः संगठन के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को दिए हुए लक्ष्य को पूरा करते हुए भारतीय जनता पार्टी को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने में अपनी सहभागिता करें। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री दिवाकर शुक्ला ने किया। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर दयाल पाण्डेय, संजय कैराती पटेल, महेश मिश्रा ओम, रमन सिंह, पूजा पाण्डेय, ब्लॉक प्रमुख अमित सिंह, अरुण पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, प्रहलाद शुक्ला, नेकराम पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय सहित भारी संख्या अभियान में लगे पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रभारी मंत्री ने पटना खरगौरा स्थित गोशाला पहुंच कर गायों को चारा खिलाया।

शिक्षक वह है जो बच्चों का जीवन निर्माण करें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल समिति के द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया। उक्त अवसर पर बच्चो में बड़े उत्साहपूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये तथा शिक्षकों ने केक भी काटा और सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन का जन्म दिवस मनाया। ज्ञात हो कि पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर राधाकृष्णन का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जाता है तथा इस दिन शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाता है उनका जन्म दिवस शिक्षकों को समर्पित है। डॉ राधाकृष्णन स्वयं शिक्षक भी थे और कई भाषाओं के ज्ञाता भी थे। उक्त अवसर पर संस्था के शिक्षकों को बच्चों के द्वारा तथा संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया गया और पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ रानी अवस्थी ने कहा कि हम शिक्षकों का दायित्व है कि हम बच्चों को सर्वोत्तम ज्ञान प्रदान करें अच्छा शिक्षक वह है जो सीख कर नई–नई चीजे सिखाए बच्चों का ज्ञानवर्धन करें उन्हें विभिन्न प्रेरक कहानियो के द्वारा अपनी संस्कृति का ज्ञान दें अपने भारतीय होने पर गर्व करना सिखाए और बच्चों को संस्कारवान बनाएं उनका जीवन निर्माण करें। प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी ने कहा कि बच्चों को शिक्षक अभी से देशभक्त बनाएं, जिससे वह भविष्य में देश के अंदर एवं बाहर के दुश्मनों से लड़ सके। सर्वेश अवस्थी ने कहा कि बच्चे माता–पिता एवं गुरु का सम्मान ही ना करें बल्कि उनके बताएं रास्ते पर भी चले तथा माता–पिता एवं गुरु की डॉट व मार का बुरा ना माने वह आपके उज्जवल भविष्य के लिए ही डॉटते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन संगीता जी ने किया शिक्षकों के लिए म्यूजिकल चेयर रेस एवं एक म्यूजिक शो का भी आयोजन किया गया था। शिक्षकों में अनीता सोनकर, उषा मिश्रा, नीलम गुप्ता, समृद्धि, खुशी, रत्ना, संदीप यादव आदि उपस्थित थे।सभी बच्चों को संस्था की ओर से जलपान भी कराया गया व टॉफी भी दी गई।

विद्यालयों को निपुण बनाने के लिए दिया प्रशिक्षण

संवाददाता–श्रावस्ती। परिषदीय विद्यालय को निपुण विद्यालय बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही बच्चों को नइ गतिविधियों से पढ़ाने की जानकारी दी गई। विकास खण्ड स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन गुरुवार को इकौना के बीआरसी भवन में खण्ड शिक्षा अधिकारी इकौना फूलचंद मौर्य की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें संदर्भदाता हरिशंकर, घनश्याम, राम कुमार यादव, कमलेश, आशुतोष कुमार गुप्ता, अंकित सिंह व एजाजुल खान की ओर से प्रशिक्षण दिया गया। विकासखंड इकौना में कार्यरत सभी शिक्षकों को भाषा शिक्षण व गणित शिक्षण की तकनीकियों व बारीकियों से अवगत कराया गया। जिसमें कक्षा में शिक्षण के दौरान नई–नई गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सीखने का स्तर बढ़ाया जा सके और विद्यालय को निपुण विद्यालय के रूप में बनाया जा सके। जिससे इकौना ब्लॉक व जनपद श्रावस्ती निपुण जनपद बन सके। इस मौके पर नीलम, आरती त्रिपाठी, दीपिका, अजय विश्वकर्मा, नन्द किशोर मौर्य, मोहित पाठक सहित शिक्षक मौजूद रहे।

स्मार्ट क्लास संचालन संबंधी कार्यशाला आयोजित

संवाददाता–श्रावस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान इकौना में गुरुवार को स्मार्ट क्लास उपकरणों के संचालन संबंधी दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के 197 स्कूलों के शिक्षकों का उन्मुखीकरण किया गया। डायट प्राचार्य संतोष कुमार सिंह ने कहा कि स्मार्ट क्लास छात्रों को वैज्ञानिक ढंग से पाठ्य समझाने में मददगार होंगे। उन्होंने प्रशिक्षुओं को स्मार्ट क्लास संबंधित तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उच्च शिक्षा महानिदेशक स्कूली शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा के निर्देश पर आयोजित कार्यशाला में डायट प्रवक्ता ओम प्रकाश यादव, इमरान अहमद, गिरीश प्रसाद मिश्र, संत कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अग्रवाल व आईड्रीम से मनोज निषाद की ओर से प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया।

मेडिकल कॉलेज में कर्मचारियों को वेतन के लाले, सात महीने से बिना पैसा कर रहे काम

संवाददाता–कुशीनगर। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में आउटसोर्सिंग पर तैनात करीब 200 सौ से अधिक कर्मचारियों को पिछले सात माह से वेतन नहीं मिला है। इससे कर्मचारियों को परिवार का पालन–पोषण करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वेतन नहीं मिलने पर कर्मचारी जहां ब्याज पर पैसा उठाने को मजबूर हैं, वहीं उन्हें अस्पताल तक आने जाने के किराये के लिये भी आए दिन किसी ना किसी से कर्ज लेना पड़ता है। जिला अस्पताल के जिम्मेदार उनके वेतन को लेकर खामोश बैठे हैं। इसका फायदा उठाते हुए निजी कंपनियां भी बेलगाम हो गई हैं। दबाव पड़ने पर एक माह का वेतन देकर फिर पुराने ढर्रे पर चली जाती हैं। जिला अस्पताल में आउट सोर्सिंग पर सक्योिरिटी गार्ड, अटेंडेट, स्वीपर, कंम्प्यूटर ऑपरेटर, लिफ्टमैन, वार्ड ब्वाय, बिजली मैकेनिक, सीवरमैन आदि पदों पर करीब 200 सौ से अधिक कर्मचारी तैनात हैं। इन कर्मचारियों की शिफ्ट वाइज अस्पताल में ड्यूटी लगती है। इन कर्मचारियों को सात महीने से बिना वेतन के ही काम करना पड़ रहा है। वेतन नहीं मिलने से खफा कर्मचारियों ने कहा कि कई बार इस बारे में एजेंसी संचालक और विभागीय अधिकारियों से मिल चुके हैं, लेकिन एक या दो दिन में वेतन आने की बात कहते हैं। लेकिन सात माह से अधिक होने के बाद भी इनका वेतन नहीं मिल सका है। ऐसे में कर्मचारियों को इधर–उधर से उधार या ब्याज पर पैसा लेकर घर का चूल्हा जलाना पड़ रहा है।

कर्मचारियों ने कहा कि वे अपना काम ईमानदारी व लगन से करते हैं तो वेतन भी प्रति माह दिया जाना चाहिए। कर्मचारियों का कहना है कि कई महीने से वेतन का एक भी पैसा नहीं मिला है। खाली पेट और खाली जेब लेकर प्रतिदिन समय से अपने ड्यूटी करने के बाद भी जिम्मेदार हम लोगों की मजबूरी को नहीं समझ रहे। कर्मचारियों ने बताया कि यहां निजी कंपनियों में अवनि, परिधी, शिवम्, रामा और आकृति से करीब दो सौ से अधिक कर्मी तैनात हैं, लेकिन कोई भी कंपनी समय से भुगतान नहीं करती। सभी ने पांच से सात माह का वेतन नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि दबाव बनाने पर एक माह का वेतन भेज दिया जाता है, जो लोगों से लिये कर्ज देने में ही खर्च हो जाता है, जिससे हम लोगों की स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने समय से प्रतिमाह वेतन भुगतान करने की मांग की है। इस संबंध में प्राचार्य डा आर के शाही का कहना है कि हस्ताक्षर हो गयें है। जल्द ही भुगतान हो जायेगा।

ढाई करोड़ लेने के बाद नहीं किया भूमि का बैनामा

सवाददाता–गोण्डा। कूटरचित कागजात दिखाकर भूमि बेचने के नाम पर ढाई करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान करा लेने के बाद भूमि को किसी दूसरे को रजिस्ट्री कर देने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के विरुद्ध वादी ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा दर्ज किए गए इस मुकदमे वादी अशोक कुमार निदेशक अयोध्या सिटी डेवलपर ने आरोप लगाया है कि कूटरचित खसरा खतौनी में फोरलेन हाईवे पर एक होटल के निकट अलग–अलग गाटा संख्या की भूमि का सौदा तय करते हुए ढाई करोड़ रुपये एडवांस आरोपियों ने अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद भी भूमि का किसी दूसरे के नाम बैनामा कर दिया। मामले में अयोध्या के दन्तधावन कुंड के निवासी शैलेन्द्र चौहान, नवाबगंज थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव के रहने वाले आशुतोष और बस्ती जिले के पैकोलिया थानाक्षेत्र के श्रीपति के साथ ही धोखाधड़ी में शामिल भूस्वामी को भी आरोपी बनाया गया है। विवेचनाधिकारी संजीव सिंह ने बताया की साक्ष्य संकलन किया जा रहा है इसी अधार पर अग्रिम कारवाई की जाएगी।

सरयू घाट पर उमड़ी आस्था, पृथ्वीनाथ और दुखहरण नाथ मंदिर पर 10 लाख श्रद्धालु करेंगे जलाभिषेक

संवाददाता–गोण्डा। जिले के करनैलगंज सरयू नदी का घाट पर बोल बम और हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। रात से ही प्रदेश के विभिन्न जनपदों से कांवड़ियों श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया। गुरुवार की सुबह से ही लाखों कांवरियों सरयू नदी में स्नान करने के बाद जल भरकर नंगे पैर पृथ्वी नाथ और दुखहरण नाथ मंदिर के लिए पैदल चल पड़े हैं। सरयू नदी से जल भरने का सिलसिला आज देर शाम तक चलने की उम्मीद है। कजरी तीज पर प्रत्येक वर्ष करनैलगंज में सरयू नदी के तट पर लाखों कांवड़िए पवित्र जल लेने आते हैं। इस बार भी करीब 10 लाख से अधिक कांवड़ियों के आने का प्रशासन ने अनुमान लगाया है। बोल बम का नारा है। भोलेनाथ का सहारा है। जैसे नारे लगाते हुए शिवभक्त पवित्र सरयू नदी से जल भरकर शिव मंदिर पर जलाभिषेक करने के लिए निकल पड़े हैं।

श्रद्धालु सरयू में स्नान और पूजन करके जल लेकर बाराबंकी के रामनगर स्थित लोधेश्वर महादेव मंदिर, गोंडा के दुखहरण नाथ महादेव मंदिर, खरगूपुर के पृथ्वीनाथ मंदिर, करनैलगंज के बरखंडी नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए रवाना हो रहे हैं। पुलिस–प्रशासन ने सरयू घाट से लेकर मंदिरों तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। शहर के साथ ही तमाम स्थानों पर बैरियर लगाए गए हैं। मंदिरों के आसपास बैरिकेडिंग की गई है। मंदिरों में जलाभिषेक को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। निगरानी के लिए बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। पुलिस के साथ ही महिला पुलिस और सादे कपड़ों में पुलिस के जवान मुस्तैद है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरा के जरिए कंट्रोल रूम से पूरे मेला की निगरानी की जा रही है।

पैथोलाजी में शुरू हुई तीन और जांचें, मरीजों की सहूलियत बढ़ी

संवाददाता–गोण्डा। मेडिकल कालेज से सम्बद्ध बाबू ईश्वर शरण अस्पताल की पैथोलॉजी में तीन और जांचें शुरु की गईं हैं। इनमें दो जांचे लिवर से संबंधित और एक जांच खून में आयरन की मात्रा की जांच की शामिल हैं। बताया जाता है कि पहले इन जांचों के लिए मरीजों को बाहर हजार से पंद्रह सौ रुपए खर्च करने पड़ते थे।

एक रुपये के पर्चे पर समुचित इलाज के लिए बाबू ईश्वर शरण अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। मरीजों को कोई असुविधा न हो इसके लिए एक ही छत के नीचे सारी जांचें उपलब्ध कराने के लिए आरडीसी (क्षेत्रीय निदान केंद्र) की स्थापना की गई है। आरडीसी में ही पैथोलॉजी जांच के लिए पीओसीटी का लैब स्थापित किया गया है। लैब में हाल ही में एमाईलेज व लाइपेज (लीवर जांच) व फेनिटिन (ब्लड में आयरन की मात्रा की जांच) शुरु कराई गई हैं।

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में बार एसोसिएशन का प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। कासगंज बार एसोसिएशन की महिला अधिवक्ता के अपहरण व हत्या के विरोध में बृहस्पतिवार को जिले के अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन कर कार्य बहिष्कार किया। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में कहा कि चार सितंबर को कासगंज बार एसोसिएशन की एक महिला अधिवक्ता का पहले अपहरण किया गया फिर हत्याकर शव रजपुरा नहर में फेंक दिया गया। घटना से अधिवक्ता समाज काफी दुखी व मर्माहत है। कहा कि मौजूदा शासन में अधिवक्ताओं के विरुद्ध अत्याचार व हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। सरकार अधिवक्ताओं को सुरक्षा एवं सम्मान देने में पूर्णतः विफल साबित हो रही है। इससे पहले भी कई अधिवक्ताओं की हत्या हुई, लेकिन किसी भी मामले में सरकार की ओर से कार्रवाई न किए जाने के कारण अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है। इस कृत्य से संपूर्ण अधिवक्ता समाज प्रदेश सरकार व पुलिस प्रशासन की निंदा करता है। अधिवक्ताओं ने सरकार से चार सूत्रीय मांग करते हुए अविलंब पूरा किए जाने की मांग की। कहा कि कासगंज में महिला अधिवक्ता की हत्या करने वाले अपराधी को अविलंब गिरफ्तार किया जाए तथा अधिवक्ता के स्वजन को एक करोड़ रुपये की सहयोग राशि प्रदान की जाए। देश में अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और एडवोकेट्स प्रोटशन एक्ट लागू की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील कुमार श्रीवास्तव, महामंत्री रामराज चौधरी, अकबर अली अंसारी, कात्यायन मणि त्रिपाठी, अजय कुमार सिंह, गुड्डू प्रसाद कन्नौजिया, परशुराम गौड़, अमित कुमार, रामाश्रय भारती, अंबरीष कुमार, दयाराम चौधरी, उपेंद्र कुमार द्विवेदी मौजूद रहे।

गैर इरादतन हत्यारोपी को सात वर्ष की सजा

संवाददाता–गोण्डा। अपर जिला जज रामदयाल नेः गैर इरादतन हत्यारोपी को सात वर्ष की कैद व दस हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता घनश्याम पांडेय के अनुसार थाना करनैलगंज अंतर्गत ग्राम कुतुब नगर गोड़ियन पुरवा निवासी देवचंद पुत्र आज्ञाराम ने अपने ही गांव के श्रीराम गोड़िया पुत्र रामरूप के विरुद्ध दो अप्रैल 2018 को इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक दो महीने पूर्व वादी और आरोपी के मध्य विवाद हो गया था। आरोपी उसकी मां को अपशब्द कहने लगा जिसका विरोध वादी के भाई राम शरन ने किया। इस पर आरोपी ने बैट से वादी के भाई को मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की विवेचना करने के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया।

ऑटो और ट्रक की टक्कर में युवक की मौत, चार घायल

संवाददाता–गोण्डा। गुरुवार सुबह आटो रिक्शा व ट्रक में भिडंत हो जाने से चार यात्री गंभीर रूप घायल हो गये। घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी मनकापुर लाया गया। इनमें एक यात्री की मौत हो गयी और एक यात्री की हालत अधिक गंभीर होने पर पीजीआई लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया है। गुरुवार को रेलवे स्टेशन के पास एक आटो रिक्शा सवारी भर कर बलरामपुर जिले के रेहरा जा रहा था। इसमें गैर प्रांत बिहार के कुछ मजदूर भी बैठे थे। वही एक युवक चन्द्र प्रताप सिंह पुत्र बम बहादुर सिंह 25 वर्ष निवासी रेहराबाजार, जिला बलरामपुर भी ऑटो में बैठा। वह इलाहाबाद में सिविल की तैयारी कर रहा है। दुर्घटना में वह भी वह घायल हो गया है। जबकि करीमुल्लाह 39 वर्ष, श्याम सुंदर 35 वर्ष, राजेश कुमार पुत्र हौसिला 16 वर्ष निवासी –कैलाची हरीपुर ,थाना चेतवा, जिला–बेतिया पश्चिमी चम्पारन, बिहार घायल हो गये। घटना की सूचना पर पुलिस चौकी प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह मौके पर पहुंचे। घायलों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी मनकापुर इलाज के लिए भिजवाया। जहां पहुंचते ही एक यात्री राजेश कुमार 26 वर्ष की मौत हो गयी।

बांह पर काली पट्टी बांध एनपीएस, यूपीएस का किया विरोध

संवाददाता–महराजगंज। अटेवा एनएमओपीएस के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर बृहस्पतिवार को कर्मचारियों ने एनपीएस और यूपीएस के विरोध में बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली होने तक संघर्ष का निर्णय लिया। अटेवा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की बात दोहराई। अटेवा के प्रदेश संगठन मंत्री राजेश जायसवाल ने कहा कि हमें एनपीएस और यूपीएस बिल्कुल स्वीकार नहीं है। हमें केवल ओपीएस चाहिए। जिलाध्यक्ष टीपी सिंह ने कहा कि यूपीएस में सरकार हमारी 10 फीसदी कटौती के संपूर्ण धन को हड़प लेना चाहती है। यह हम किसी हालत में नहीं होने देंगे। सुधीर त्रिपाठी ने कहा कि 26 सितंबर को जिला मुख्यालय पर होने वाले प्रदर्शन में अधिक संख्या में पहुंचकर यूपीएस का विरोध जताएं। इस मौके पर एलटी संघ के जिलाध्यक्ष देवेश पांडेय, घनश्याम शर्मा मौजूद रहे।

काशी के बाद अब अयोध्याधाम भी तमिलनाडु से जुड़ा -मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनाथ स्वामी मंदिर के कुंभाभिषेकम और जीर्णोद्धार समारोह में कहा कि अयोध्या और तमिलनाडु का एक विशेष रिश्ता है। हजारों वर्ष पहले श्रीराम श्रीलंका में सीता माता की खोज के लिए निकले थे तब उन्होंने तमिलनाडु में भगवान शिव की आराधना की थी, जहां आज रामेश्वरम स्थापित है। भगवान शिव की कृपा से सेतुबंध का भी निर्माण हुआ था।

एक मान्यता और है कि भगवान जब माता सीता को लेकर वापस आ रहे थे तो माता सीता ने रामनाथ स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की थी। संपूर्ण भारत एक है, यह आध्यात्मिक परंपरा आगे बढ़ रही है। अयोध्या में रामनाथ स्वामी का मंदिर बन गया है। मत, संप्रदाय, पंथ की उपासना विधि की अनेकता के बावजूद एक भारत श्रेष्ठ भारत का संकल्प आगे बढ़ रहा है। इससे पहले मोदी जी की प्रेरणा से काशी तमिल संगम के दो संस्करण हो चुके हैं। काशी के बाद अयोध्या धाम भी तमिलनाडु से जुड़ चुका है।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक संकीर्णता में फंसे कुछ लोग समाज को बांटने की कोशिश करते रहते हैं। ऐसे समय में रामनाथ स्वामी मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा का समारोह एक नई प्रेरणा हो सकता है। इससे प्रेरित होकर एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाएंगे। भारत सांस्कृतिक रूप से हर कालखंड में एक रहा है। वैदिक साहित्य इसका उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। हमारे शास्त्र इसका उदाहरण हैं। संतों की परंपरा, धर्म स्थल इनके प्रमाण हैं। सरकार अलग–अलग रही हो लेकिन सांस्कृतिक एकता कभी खंडित नहीं हुई। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब तक तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। अयोध्या दुनिया की सबसे सुंदर आध्यात्मिक नगरी बन रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को 30 दिन के भीतर चौथी बार अयोध्या पहुंचे। सीएम रामसेवक पुरम में शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत कर रहे हैं। वे 25 फीट ऊंचे मंदिर के शिखर पर कलश स्थापित कर रहे हैं। यहां पहुंचने पर उनका दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुसार उनका स्वागत किया गया। यहां अशोक सिंहल फाउंडेशन की ओर से आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होंगे। इन दोनों कार्यक्रमों के बाद सीएम रामलला और हनुमानगढ़ी के दरबार में भी हाजिरी लगाएंगे। अयोध्या में दक्षिण भारतीय परंपरा के पहले शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सीएम योगी आदित्यनाथ ने की।

राष्ट्र व समाज निर्माता के रूप में खुद को तैयार करें शिक्षक –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षक को नवाचार पर काम करना चाहिए। पढ़ाई के आसान तरिके के बारे में हमेशा सोचना चाहिए। वे स्कूल का वातावरण अध्यात्मिक बनाने पर काम करें। आत्मनिर्भरता दिखनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी, बृहस्पतिवार को बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में शिक्षक सम्मान समारोह में राज्य के 41 शिक्षकों को सम्मानित करने के बाद सम्बोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि सरकार ने शिक्षा आयोग का गठन किया है, इसमे पुरस्कृत होने शिक्षकों को भी शामिल किया जाना चाहिए। ताकि इनके अनुभवों का लाभ मिल सके। सीएम ने कहा कि व्यक्ति में श्रद्धा का भाव जरूरी है, जिसमें यह भाव न हो ज्ञानी नहीं हो सकता है।

गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में सीएम योगी को उत्कृष्ट कार्य करने वाले माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों के 54 शिक्षकों को सम्मानित करना था। इनमें अलीगढ़ जिले के प्राथमिक विद्यालय, सूरतगढ़ के प्रधानाध्यापक मूलचंद भी थे। इनके पैर में चोट लगी होने के कारण वो मंच पर नहीं आ सके। नीचे दर्शक दीर्घा में बैठकर आयोजन में भाग ले रहे थे। सीएम योगी को जानकारी हुई कि शिक्षक वहीं मौजूद हैं और चोट लगने की वजह से मंच के ऊपर नहीं आ पा रहे हैं। सीएम योगी ने खुद मंच से नीचे जाने का फैसला किया और व्हील चेयर पर नीचे दर्शक दीर्घा में बैठे मूलचंद को जाकर सम्मानित किया।

मिल्कीपुर उपचुनावः तैयारियों से रुबरु हुए मुख्यमंत्री योगी, बोले- कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव की तैयारियों से भी रुबरु हुए। जिले के प्रभारी और प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व जिलाध्यक्ष संजीव सिंह से उन्होंने इस बारे में ब्योरा लिया। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी और रुदौली विधायक रामचंद्र यादव व अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त को एकजुट होकर बूथ स्तर पर काम करने की जिम्मेदारी सौंपी।

सीएम योगी बृहस्पतिवार को अयोध्या दौरे पर थे। रामनाथ स्वामी मंदिर में आयोजित महाकुंभाभिषेक व कारसेवकपुरम में सिंहल फाउंडेशन की ओर से आयोजित भारतात्मा पुरस्कार समारोह में शामिल होने के बाद रामलला व हनुमानगढ़ी के दर्शन कर सीएम योगी सरयू अतिथि गृह पहुंचे। यहां पर प्रभारी मंत्री, जिलाध्यक्ष और दोनों विधायकों के साथ हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास भी मौजूद रहे। सबसे पहले सीएम ने प्रभारी मंत्री से उपचुनाव की सांगठनिक तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। इसी कड़ी में जिलाध्यक्ष से भी मुखातिब हुए।

उपचुनाव पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि सभी लोग एकजुट होकर बूथ स्तर पर काम करें। बूथों पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जाए। संपर्क और संवाद के माध्यम से मतदाताओं तक केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाए। विपक्ष के झूठ और फरेब को भी उजागर करने के प्रयास हों। यह कोशिश रहे कि वोटर विपक्षी दलों की ओर से फैलाए गए किसी भी तरह के भ्रम में न फंसने पाएं। इसे लेकर विशेष रूप से सजगता बरतनी है। मुख्यमंत्री ने आने वाले समय में पार्टी के युवा और महिला मोर्चा के साथ अन्य आनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक करने की भी मंशा जताई। इसके लिए तैयारी करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि सभी मोर्चा के पदाधिकारियों को भी उपचुनाव में जिम्मेदारी दी जाए। इस दौरान जिलाध्यक्ष के साथ दोनों विधायकों ने उपचुनाव में बड़े मतों के अंतर से जीत सुनिश्चित करने के प्रति सीएम योगी को आश्वस्त किया।

लुटेरे के पैर में गोली मारकर पुलिस ने दबोचा

संवाददाता–गोरखपुर। रामगढ़ ताल पुलिस ने गुरुवार की सुबह पैर में गोली मारकर एक लुटेरे को दबोच लिया, वहीं उसका साथी फरार हो गया। गोली से घायल लुटेरे की पहचान प्रिंस के रूप में हुई है। जबकि फरार साथी आकाश साहनी बताया जा रहा है।

एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि बुधवार को रामगढ़ ताल थाने में लूट का केस दर्ज हुआ था। पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही थी कि मुखबिर से सूचना मिली कि लूट में शामिल आरोपित लहसड़ी बंधे के रास्ते लूट की बाइक से जा रहे हैं। पुलिस टीम ने घेरबंदी कर उन्हें रोकने का प्रयास किया पर पुलिस को देखकर आरोपियों ने फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में प्रिंस के पैर में गोली लगी और वह बंधे पर गिर गया। उसे गिरफ्तार किया गया है। मुठभेड़ के दौरान उसका एक साथी आकाश साहनी फरार हो गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 0.315 बोर तंमचा, 01 कारतूस व 01 अदद खोखा तथा लूट की 01 मोटरसाइकिल को बरामद हुई है। प्रिंस पुत्र सुदर्शन निषाद के दाहिने पैर में गोली लगने की वजह से उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।

शिक्षक समर्पण, मार्गदर्शन, योगदान से रूबरू हुए छात्र

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरुवार को जनपद भर में धूमधाम से कार्यक्रम मनाया गया। विद्यालयों में कार्यक्रम के जरिए शिक्षक दिवस के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया गया कि देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन शिक्षकों के समर्पण, मार्गदर्शन व योगदान के प्रति आभार प्रकट करने का दिन है। यह दिन गुरु व शिष्य के लिए भी बेहद खास होता है। ऐसे शिष्य हमेशा गुरु का सम्मान कर सच्चाई के मार्ग पर चलें। बर्डपुर ब्लॉक क्षेत्र के ककरहवा स्थित नेहरु इंटर कॉलेज, भागीरथी सूर्य नाथ त्रिपाठी इंटर कॉलेज, राजीव गांधी नेशनल स्कूल, परिषदीय प्राथमिक विद्यालय एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय झंगटी में शिक्षक दिवस कार्यक्रम बड़े ही धूम–धाम से मनाया गया। छात्रों ने अपने–अपने हिसाब से गुरुओं को उपहार देकर स्नेह का आर्शीवाद लिया।

इस दौरान छात्रों ने गुरु द्वारा बताए मार्ग पर चल कर बेहतर शिक्षा हासिल करते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान का संकल्प लिया। नेहरु इंटर कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान डॉ. राधाकृष्णन्न को श्रद्धासुमन भी अर्पित किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य राकेश नाथ पांडेय प्रवक्ता विधा शंकर, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, रूपा उपाध्यय, दीप नारायन त्रिपाठी, महेश कुमार, कृष्णानंद आदि मौजूद रहें।

स्कूल में मीट बनाकर की दावत, शराब भी पी, शिकायत, प्रधानाचार्य निलंबित

संवाददाता–संतकबीरनगर। सेमरियावां ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय अहिरौली में बुधवार की रात स्कूल के शिक्षकों ने मीट की दावत की। इसकी सूचना प्रधान ने बीएसए को दी। प्रधान सुबह स्कूल पहुंचे तो वहां कूकर में मीट मिला और शराब की बोतल मिली। प्रधान की सूचना पर बीएसए ने हेडमास्टर को निलंबित कर दिया है, पूरे प्रकरण की जांच बीईओ पौली अर्जुन प्रसाद को सौंपी है। अहिरौली गांव के लोगों ने शुक्रवार की सुबह बीएसए अमित सिंह को फोन कर सूचना दी कि विद्यालय पर रात में मीट बनाया गया और शराब की पार्टी चली। इसके बाद गांव के कार्यवाहक प्रधान राजीव प्रताप के साथ चंद्रभूषण सिंह, धनंजय, उमेश आदि ने भी बीएसए को मीट बनने की सूचना दी। प्रधान सुबह विद्यालय पर पहुंच गए तो किचन बंद मिला। किचन खुलवाया तो वहा रखे कूकर में मीट मिला। इसके साथ ही एकल कक्ष में शराब की बोतल मिली। बीएसए ने प्रधान की सूचना पर हेडमास्टर अमित कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इसके बाद पूरे प्रकरण की जांच बीईओ पौली अर्जुन प्रसाद वर्मा को सौप दी।

बीईओ अर्जुन प्रसाद वर्मा मौके पर पहुंचे और जांच की। बीईओ ने बताया कि मौके पर जांच की गई है। कूकर में पका हुआ मीट पाया गया है। इसके साथ ही एकल कक्ष में शराब की बोतल मिली है। ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर अक्सर मीट व शराब की दावत चलती है। उन्होंने बताया कि पूरी रिपोर्ट बीएसए को दी जाएगी। अहिरौली गांव के प्रधान ने सूचना दी कि विद्यालय में मीट बना था। इसके साथ ही उन्होंने फोटो भी भेजी थी। उनकी सूचना पर प्रधानाध्यापक अमित कुमार यादव को निलंबित कर दिया गया है। पूरे प्रकरण की जांच बीईओ पौली को सौपी गई है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पोखरें में कूदा युवक

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर चार पंडित दीनदयाल नगर तिघरा गांव में गुरुवार की सुबह करीब नौ बजे कुत्ते के साथ पहुंचा अनजान युवक पोखरे के किनारे कपड़ा निकाल कर कूद गया। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंच कर देखा तो युवक का कहीं अता–पता नहीं था। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पीपीगंज थाने के एसआई अजीत यादव ने एसडीआरएफ सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम युवक की तलाश में जुटी है। युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पीपीगंज क्षेत्र के नगर पंचायत के वार्ड नंबर चार दीनदयाल नगर तिघरा में सुबह करीब नौ बजे एक अनजान युवक कुत्ते के साथ गांव के काली मंदिर पोखरे पर पहुंचा और कपड़ा चप्पल निकाल कर पोखरे में कूद गया और कुत्ता वहीं बैठा रो रहा था। स्थानीय लोगों की जब नजर अनजान युवक के पोखरे में कूदने की जानकारी हुई तो मौके पर पहुंचे युवक पोखरे में डूब गया था।

वार्ड की साफ–सफाई और स्वच्छता पर हुई चर्चा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बिस्कोहर कस्बे के आंबेडकर नगर वार्ड में गुरुवार को स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति की बैठक हुई। सभासद बुद्घ विलास की अध्यक्षता में हुई बैठक में वार्ड के साफ–सफाई और स्वच्छता को लेकर चर्चा की गई। ईओ अमरजीत ने कहा कि स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्यों की जिम्मेदारी है कि वह नियमित बैठक करें। वार्ड की सफाई व्यवस्था कैसे बेहतर हो, इस पर चर्चा कर सफाई नायक को अपनी राय बताकर सफाई व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त कराएं। ताकि वार्ड में लोगों को गंदगी से निजात मिल सके। साथ ही वार्ड स्वच्छता की रैंकिग में प्रदेश में अव्वल आ सके। एसबीएम प्रभारी अनूप पाण्डेय ने बताया कि स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समितियां वार्ड में विभिन्न प्रतियोगिताएं भी कराएंगी। इससे लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस मौके जमालू मौर्य, रक्षाराम गुप्त, साहेब राम गौतम, मोहम्मद इदरीश, नरदाहे गौतम, नूर मोहम्मद, मुन्नू गौतम आदि मौजूद रहे।

दुकान से नथिया लेकर भागी महिला, तलाश में जुटी पुलिस

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के बरगदही में गुरुवार की दोपहर में एक महिला ज्वेलरी की दुकान से नथिया लेकर स्कूटी सवार व्यक्ति के साथ भाग निकली। सूचना मिलते ही पुलिस उसकी तलाश में जुट गयी है। हालांकि दुकानदार ने इस मामले में कानूनी कार्यवाही करने से मना कर दिया है। बताया जा रहा है दोपहर में ज्वेलरी के दुकान के सामने एक स्कूटी से महिला उतरी और दुकान में जाकर नथिया देखने लगी। वहीं चालक हेलमेट लगाकर स्कूटी पर बैठा रहा। उधर महिला नथिया लेकर व्यक्ति को दिखाने की बात करते हुए दुकान से बाहर आ गयी। उधर, दुकानदार को सन्देह हुआ तो वह उसे बुलाने लगा। इतने में महिला स्कूटी पर सवार होकर अपने साथी के साथ निकल गई। उधर, घटना की सूचना मिलते ही चौकी पुलिस ने स्कूटी सवारों की तलाश करने के साथ ही सीसीटीवी कैमरे को खंगालना शुरू कर दी है।

बिना आशय हत्या के मामले में पिता पुत्र समेत तीन आरोपियों को सश्रम कारावास

संवाददाता–संतकबीरनगर। बिना आशय हत्या करने के पिता–पुत्र समेत तीन आरोपियों को जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने दोष सिद्ध करार देते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। आरोपी राम किशुन व राज किशोर पिता–पुत्र हैं। जिला जज की कोर्ट ने आरोपी झीनक, राम किशुन व राज किशोर पर सजा के अतिरिक्त विभिन्न धाराओं में प्रत्येक पर 52–52 हजार रुपए कुल एक लाख 56 हजार रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया है। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपियों को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने अर्थदण्ड की धनराशि में से आधी धनराशि मृतक की पत्नी को क्षतिपूर्ति के रूप में देने का भी फैसला दिया है।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि मामला जिले के कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम उमरी खुर्द का है। प्रकरण में मृतक की पत्नी अनीता देवी पत्नी राम उजागिर ने अभियोग पंजीकृत कराया था। वादिनी ने दिनांक 20 नवम्बर 2014 को जुबानी सूचना दिया कि दिनांक 19 नवम्बर को समय लगभग छह बजे उसकी पुत्री बकरी चरा कर आई। गांव के झीनक पुत्र बदरी, राम किशुन पुत्र घूरहू, राज किशोर पुत्र राम किशुन व मोलहू पुत्र राम ललित बकरी को छीन कर जबरिया ले जा रहे थे। वादिनी व उसके पति के विरोध करने पर गाली देते हुए लात–मूका, लाठी–डंडा से मारने–पीटने लगे। जानमाल की धमकी दी। उसके पति को चोटें आईं। वादिनी ने दिनांक 21 नवम्बर को लिखित प्रार्थना पत्र दिया। पुलिस ने मारपीट तथा बिना आशय हत्या का अभियोग पंजीकृत किया। विवेचना के पश्चात पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि अभियोजन की तरफ से 11 साक्षी प्रस्तुत किए गए। सभी ने घटना का समर्थन किया। पक्षों की बहस सुनने के पश्चात जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने तीनों आरोपितों को दोषसिद्ध करार देते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

अपहरण का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा थाने की पुलिस ने अपहरण के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। केस दर्ज होने के बाद से फरार चल रहे थे। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि धर्मेंद्र निषाद पुत्र लालमन निषाद निवासी मदरहिया थाना कोतवाली बांसी व गोविंद पुत्र चंद्रिका निवासी बसडीला थाना खेसरहा के खिलाफ धारा 363, 366 ए के तहत केस दर्ज था।

आवश्यकता है

मॉ गायत्री गंगा प्रसाद मिश्र महिला पी.जी. कालेज कप्तानगंज जनपद– बस्ती सम्बद्ध सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर
एसोसिएट प्रोफेसर– वनस्पति विज्ञान परास्नातक विषय हेतु 3 पद
गृह विज्ञान– परास्नातक विषय हेतु 3 पद
समाज शास्त्र– परास्नातक विषय हेतु 3 पद
इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन विज्ञापन प्रकाशन के 15 दिन के भीतर सीधे या रजिस्टर्ड डाक द्वारा महाविद्यालय में उपलब्ध करायें।
योग्यता– यू.जी.सी. एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर द्वारा निर्धारित मानक पर।

प्रबन्धक
(सुशीला देवी)
मो0 9415174312

बीआरसी में चार दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी बीआरसी में चार दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। इस बैच में 100 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का शुभारंभ बीईओ अखिलेश कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि एफएलएन प्रशिक्षण के इन चार दिनों में शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर से जो भी कुछ सिखाया जाएगा उसका उपयोग अपने–अपने विद्यालय में बच्चों के बीच साझा कर शैक्षणिक जानकारी से अवगत कराएं। बांसी प्रखंड के एआरपी सुनील चौधरी ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा की मजबूतीकरण के लिए एफएलएन, भारत सरकार के नीति आयोग का बहुत ही प्राइम प्रोग्राम है। राष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रशिक्षण हो रहा है। इस प्रशिक्षण से प्रारंभिक शिक्षा में मजबूती आएगी। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर के द्वारा पूरी तन्मयता और अनुशासन के साथ चार दिनों के प्रशिक्षण सत्र में बारीकी से जानकारी दी जाएगी। प्रोजेक्टर के माध्यम से भी प्रशिक्षुओं को जानकारी दी जा रही है। मास्टर ट्रेनर मनोज श्रीवास्तव, गिरजेश पाठक, नेबूलाल, बिनोद चौधरी चार दिनों तक चलने वाले प्रशिक्षण देने का कार्य करेंगे। इस दौरान गौरव कुमार, संदीप कुमार, मूदिता सिंह, दीक्षा द्विवेदी, अंकिता राय, प्रतिभा त्रिपाठी, शालनी राय, राजकपूर अग्रहरि, लक्ष्मी भारती आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार रामनगर जिला–बस्ती
ज्ञानदास आदि
बनाम
सुरेन्द्र कुमार आदि
साकिन बरहुआ
1. चन्द्रशेखर पुत्र रामअजोर 2. श्रीमती अमरिता देवी पत्नी रामअजोर 3. महेश्वरी प्रसाद पुत्र रामअजोर साकिनान बरहुआ तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 12–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 12 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 02 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 149/2007
मदरसा अन्जुमन
बनाम
दोस्त मोहम्मद आदि
श्रीमती सव्वो पत्नी गुड्डू साकिन फलमण्डी शहर गोरखपुर

तारीख पेशी 17–10–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 17 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 414/2023
सुनील कुमार–सायलान
1 सुनील कुमार उम्र लगभग 41 वर्ष 2. अनिल कुमार उम्र लगभग 32 वर्ष 3. सुबाष चन्द्र उम्र लगभग 37 वर्ष 4. रामजीत उम्र लगभग 35 वर्ष 5. रामअवध उम्र लगभग 33 वर्ष पुत्रगण स्व0 मायाराम निवासीगण ग्राम सलेमपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा पो0 गोपीनाथपुर तहसील हरैंया जिला–बस्ती
6. रेखा उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्री स्व0 मायाराम पत्नी गजेन्द्र गुप्ता मुहल्ला छोटी देव काली लाडली प्रसाद मंदिर के निकट तहसील अयोध्या जिला–अयोध्या हाल मुकाम सलेमपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा पो0 गोपीनाथपुर तहसील हरैंया जिला–बस्ती 7. सरिता उम्र लगभग 34 वर्ष पुत्री स्व0 मायाराम पत्नी सुमित गुप्ता पुत्र विष्णुगोपाल लोहा मण्डी मनकापुर परगना बभनी पायर तहसील व पोस्ट मनकापुर जिला गोण्डा हाल मुकाम सलेमपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा पो0 गोपीनाथपुर तहसील हरैंया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–09–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 23–09–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com